Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-13 01-15 जुलाई, 2023 (पाक्षिक) ₹20

'दुनिया में भारत एक मजबूत एवं निर्णायक राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित'

प्रधानमंत्री की अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा

'हम एक समान दृष्टिकोण और एक समान नियति से एकजुट हैं'

गुरुग्राम (हरियाणा) में 21 जून, 2023 को आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस–हर घर आंगन योग' कार्यक्रम के दौरान योग करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

संतिरबाजार (त्रिपुरा) में 17 जून, 2023 को एक विशाल रैली के दौरान जनाभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में 12 जून, 2023 को एक बैठक में जनाभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

वेल्लोर (तमिलनाडु) में 11 जून, 2023 को एक विशाल रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

सिरसा में 18 जून, 2023 को एक रैली के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का स्वागत करते हरियाणा भाजपा नेतागण

चेन्नई (तमिलनाडु) में 20 जून, 2023 को एक विशाल बैठक को संबोधित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 प्रधानमंत्री की अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका की अपनी आधिकारिक राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन के साथ उच्चस्तरीय वार्ता करने के लिए 22 जून को व्हॉइट हाउस पहुंचे। श्री मोदी और श्री बाइडेन ने गर्मजोशी के साथ एक दूसरे...

17 9वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए 21 जून को कहा कि संपूर्ण मानवता के मिलन स्थल...

20 'महा जनसंपर्क अभियान'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 जून, 2023 को गिरिडीह, झारखंड के ऐतिहासिक झंडा मैदान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी...

26 प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त युवाओं को लगभग 70,000 नियुक्ति पत्र किए वितरित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 जून को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार...

32 आपातकाल भारत के इतिहास का काला दौर: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जून को कहा कि आपातकाल भारत के इतिहास का वह 'काला दौर' था, जब लोकतंत्र के...

श्रद्धांजलि

आधुनिक भारत के निर्माता डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी 31

लेख

सांस्कृतिक गौरव प्रतिष्ठा का महापर्व / शिवप्रकाश 29

अन्य

योग शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है: राजनाथ सिंह 19

दुनिया ने भारत की संस्कृति की ताकत को देखा: अमित शाह 19

समस्त कोयला भंडार की स्थिति 44.22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 110.58 मिलियन टन तक पहुंच गई 26

वित्त वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष करों के सकल संग्रह में 12.73% की हुई भारी वृद्धि 27

'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार ने लिए पांच और महत्वपूर्ण निर्णय 28

मोदी स्टोरी 30

'संपर्क से समर्थन' अभियान 33

गीता प्रेस, गोरखपुर को वर्ष 2021 का गांधी शांति पुरस्कार प्रदान किया जाएगा 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' का यह अभियान लोकतंत्र को और सशक्त बनाने की दिशा में एक बेहतरीन प्रयास है।

(17 जून, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व जनसंघ के संस्थापक सदस्य सुंदर सिंह भंडारीजी की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन करता हूं। आपकी सादगी व वैचारिक स्पष्टता सदैव अनुकरणीय है। जनसेवा और राष्ट्रनिर्माण को समर्पित आपका सम्पूर्ण जीवन हमारी प्रेरणा बना रहेगा।

(22 जून, 2023)

अमित शाह

मोदीजी के नेतृत्व में सरकार के 9 साल देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षर से लिखे जाने वाले 9 साल हैं। आज दुनिया भर में भारत की पहचान 'ग्रोथ इंजन' के रूप में होती है।

(18 जून, 2023)

राजनाथ सिंह

पीएम श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की अर्थव्यवस्था नई बुलंदियों पर पहुंची है और देश पूरे विश्व की आशाओं का केंद्र बना है। देश में विदेशी निवेश बढ़ा है और यहां से होने वाला निर्यात भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह सब पिछले नौ वर्षों में किए गये आर्थिक सुधारों का सुपरिणाम है।

(12 जून, 2023)

बी.एल. संतोष

तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश सचिव श्री एस.जी. सूर्याह को एक पंचायत सदस्य की मनमानी के कारण हुई एक सफाई कर्मचारी की मौत मामले में मदुरै के सांसद की आलोचना करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। इस ट्वीट का एक भी शब्द आपत्तिजनक नहीं था। विभिन्न आरोपों में अपने मंत्री की गिरफ्तारी को पचाने में असमर्थ स्टालिन सरकार असहिष्णु हो गई है। डीएमके को यह समझना चाहिए कि हम इसे चुपचाप स्वीकार नहीं करेंगे। हमने 1975 में आपातकाल के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ाई लड़ी है और हम अब भी लड़ेंगे। आपने गलत टारगेट को छुआ है।

(17 जून, 2023)

सर्बानंद सोनोवाल

लोथल में बनने वाले राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के माध्यम से सिंधु घाटी सभ्यता के समय से लेकर आधुनिक समय तक भारत के प्राचीन समुद्री इतिहास का प्रदर्शन होगा। मुंबई में अधिकारियों और हितधारकों के साथ एनएमएचसी के काम की प्रगति की समीक्षा की और परियोजना को समय पर पूरा करने पर जोर दिया।

(19 जून, 2023)

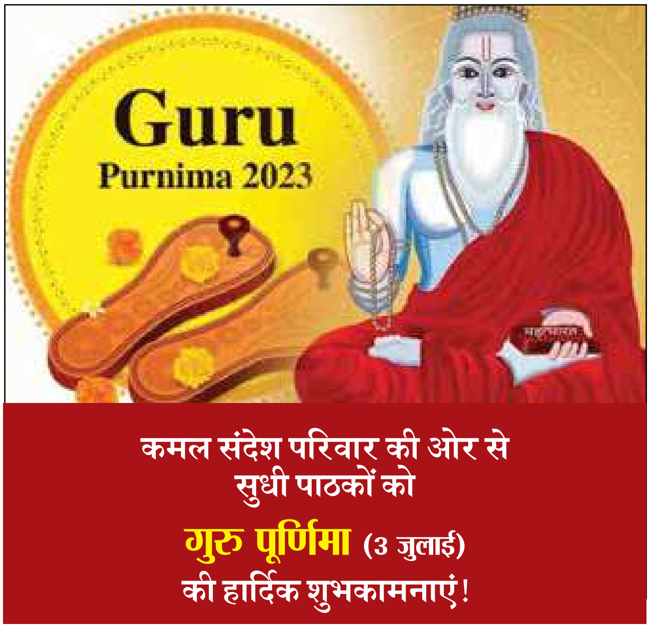

संपादकीय

वह भविष्य 'आज' है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अत्यंत सफल अमेरिका यात्रा के महत्व को कुछ शब्दों में लिखना कठिन है। इस यात्रा से भारत-अमेरिकी संबंध न केवल सुदृढ़, गहरे एवं समृद्ध हुए हैं, बल्कि इससे भविष्य में संबंधों के नए आयामों को तलाशने के नए उपक्रम भी शुरू हुए हैं। भारत एवं अमेरिका के लोगों के बीच विश्वास के वातावरण निर्माण का परिणाम नए-नए उद्यमों में देखा जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि 'इतिहास की हिचकिचाहट' को पीछे छोड़ अब दोनों देश आगे बढ़ चले हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मिले अभूतपूर्व सम्मान एवं आतिथ्य-सत्कार से समझा जा सकता है कि अमेरिका के हृदय में भारत का कितना महत्वपूर्ण स्थान है। आज अमेरिका के लोग भारत को एक सहभागी एवं मित्र का सम्मान एवं आदर दे रहे हैं। इससे कोई भी इंकार नहीं कर सकता कि विश्व के दो सबसे बड़े लोकतंत्र के मध्य संबंधों का प्रगाढ़ होना, केवल भारत एवं अमेरिका के हित में नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए कल्याणकारी है। ऐसा लगता है कि दोनों देशों का प्रधानमंत्री श्री मोदी के उस कथन पर पूर्ण विश्वास है जिसमें उन्होंने कहा, ''साथ में हम दुनिया को एक बेहतर भविष्य दे सकते हैं और भविष्य को एक बेहतर दुनिया।''

इससे कोई भी इंकार नहीं कर सकता कि विश्व के दो सबसे बड़े लोकतंत्र के मध्य संबंधों का प्रगाढ़ होना, केवल भारत एवं अमेरिका के हित में नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए कल्याणकारी है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अमेरिका के कांग्रेस सदस्यों, सीईओ, महत्वपूर्ण व्यक्तियों, मीडिया की जानी-मानी हस्तियों एवं प्रवासी भारतीयों ने जहां पूरे उत्साह से स्वागत किया, वहीं इन सबके साथ कई महत्वपूर्ण बैठकों का परिणाम कई बड़े परियोजनाओं के रूप में सामने आया। अपनी पहली राजकीय यात्रा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को दूसरी बार संबोधित करने का अद्भुत सम्मान प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में भारत-अमेरिका संबंध विश्व के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं, को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जहां दोनों लोकतंत्रों के सुदृढ़ीकरण से 'डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी एवं डेस्टिनी', का व्यापक लक्ष्य संवरेगा, वहीं भारत-अमेरिका भागीदारी से 'जलवायु परिवर्तन, भूख एवं स्वास्थ्य' की समस्याओं का भी निराकरण संभव हो सकेगा। इनके अलावा, भारत-अमेरिका संबंध पारस्परिक हितों को भी समृद्ध करने वाले हैं। जहां भारत द्वारा विमानों की खरीदी से अमेरिका के विमान निर्माण एवं रक्षा क्षेत्रों में लाखों रोजगार पैदा होते हैं, अमेरिकी कंपनियों के मजबूत होने से भारत में अनुसंधान एवं विकास को लाभ पहुंचता है। साथ ही, दोनों देशों की सेमीकंडक्टर एवं आवश्यक खनिजों में भागीदारी से वैश्विक सप्लाई तंत्र की विविधता, लचीलापन एवं विश्वसनीयता भी बढ़ती है। उभरते हुए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भागीदारी मजबूत होना केवल परस्पर नहीं बल्कि वैश्विक हित में है। साथ ही, विश्व में शांति एवं स्थिरता बनाए रखना, आतंकी गतिविधियों को रोकना, कूटनीति एवं संवाद से खून-खराबा पर रोक तथा भारत-प्रशांत क्षेत्र में दबाव एवं संघर्ष के विरुद्ध अडिग रह इसे खुला, स्वतंत्र एवं समावेशी रखने का भी दायित्व लोकतांत्रिक वैश्विक व्यवस्था का है। भारत एवं अमेरिका को लोकतांत्रिक राष्ट्र के नाते कई दायित्वों का निर्वहन करना है।

आज जब भारत 'अमृतकाल' में आने वाले 25 वर्षों में 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, इसकी अथाह संभावनाओं का द्वार खुल रहा है। इससे 'लोकल' से 'ग्लोबल' स्तर तक अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है। आज पूरा विश्व इस तथ्य को स्वीकार कर रहा है कि कई ऐसे प्रश्न जो आज भी 21वीं सदी में मुंह बाये खड़े हैं, भारत उनका उत्तर बन सकता है। पिछले नौ वर्षों में भारत ने कई क्षेत्रों में लंबी छलांग लगाई है तथा इसके कई पहलों को अनेक देशों ने सहयोग एवं समर्थन दिया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष, विश्व के विभिन्न भागों में प्राणों की आहुतियां देने वाले विश्व शांति सेना के सदस्यों का स्मारक, मिशन लाईफ या अन्य कोई कदम हो, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत के अंतरराष्ट्रीय पहलों को वैश्विक आयाम दे रहे हैं। आज जब भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम्' का प्राचीन विचार जी-20 के 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के रूप में परिभाषित हो रहा है, मानवता के प्रति भारत की प्रतिबद्धताओं को कोरोना वैश्विक महामारी एवं अन्य कठिन समय पर जांचा और परखा गया है। वैश्विक नियति के लक्ष्यों पर दृष्टि के साथ भारत-अमेरिकी संबंध, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में 'एक महत्वपूर्ण भविष्य के लिए तैयार है। वह भविष्य आज है।" ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री की अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा

'हम सब मिलकर दुनिया को बेहतर भविष्य देंगे और भविष्य को बेहतर दुनिया देंगे'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून, 2023 को अमेरिकी राष्ट्रपति श्री जोसेफ जे. बाइडेन और अमेरिकी प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा शुरू की। श्री मोदी की यह राजकीय यात्रा 21 जून से शुरू होकर 24 जून को समाप्त हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी की यह छठी अमेरिकी यात्रा तथा भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पहली आधिकारिक राजकीय यात्रा थी। श्री मोदी ने 21 जून को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सदस्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया। उसके बाद प्रधानमंत्री वाशिंगटन डीसी पहुंचे। वहां पर श्री मोदी ने राष्ट्रपति श्री बाइडेन और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं के साथ द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ जी-20, क्वाड और आईपीईएफ जैसे बहुपक्षीय मंचों को और मजबूत करने के लिए व्यापक चर्चा की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री श्री मोदी कई गणमान्य व्यक्तियों के साथ राष्ट्रपति श्री बाइडेन और प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन के राजकीय भोज में शामिल हुए। इस यात्रा के दौरान श्री मोदी ने कांग्रेस नेतृत्व के निमंत्रण पर अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। साथ ही, प्रधानमंत्री भारतीय-अमेरिकी समुदाय से मिले तथा दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को ऊपर उठाने और लचीली वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के निर्माण के अवसरों पर चर्चा करने के लिए प्रमुख सीईओ से बातचीत की। दरअसल, प्रधानमंत्री श्री मोदी की यह अमेरिकी यात्रा लोकतंत्र, विविधता और स्वतंत्रता के साझा मूल्यों पर आधारित भारत-अमेरिकी संबंधों को मजबूत करेगी तथा साझा वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए दोनों देशों को और निकट लाएगी

भारत, अमेरिका को अपनी विविधता पर गर्व, दोनों देशों की संस्थाएं लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारितः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका की अपनी आधिकारिक राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन के साथ उच्चस्तरीय वार्ता करने के लिए 22 जून को व्हॉइट हाउस पहुंचे। श्री मोदी और श्री बाइडेन ने गर्मजोशी के साथ एक दूसरे का अभिवादन किया और अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हॉइट हाउस पहुंचने पर श्री मोदी का शानदार स्वागत किया। राजकीय स्वागत समारोह के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को गले लगाया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्वागत करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन ने कहा कि वह अमेरिका में भारतीय प्रधानमंत्री का स्वागत करके 'सम्मानित' महसूस कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए आगे कहा कि हम गरीबी उन्मूलन, पर्यावरण संबंधी चुनौतियों और यूक्रेन पर रूसी हमले के संदर्भ में (responding to the Russian attack on Ukraine) मिलकर काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि दोनों देश वैश्विक अच्छाई, शांति, स्थिरता के लिए काम करेंगे और दोनों देशों के संबंध नई ऊंचाइयों को छुएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रपति श्री बाइडेन के साथ व्हॉइट हाउस के प्रांगण में अपने संबोधन में कहा कि हम दोनों देश अपनी विविधता पर गर्व करते हैं, हम दोनों ही 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के मूल सिद्धांत में विश्वास करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका के समाज और संस्थाएं लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं और दोनों देशों का संविधान तीन शब्द 'वी द पीपल' से प्रारंभ होता है, जिसकी चर्चा राष्ट्रपति बाइडेन ने की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आधिकारिक स्वागत का गवाह बनने के लिए बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय बूंदाबांदी के बीच व्हॉइट हाउस के 'साउथ लॉन' में जमा थे।

उन्होंने कहा कि तीन दशक पहले वे एक आम व्यक्ति के रूप में अमेरिका आए थे और उस समय उन्होंने बाहर से व्हॉइट हाउस को

'एक सच्चे राष्ट्रवादी'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 21 जून को भारी बारिश के बीच अमेरिका की अपनी राजकीय यात्रा के दूसरे चरण में वाशिंगटन डीसी पहुंचे। वाशिंगटन डीसी में ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में उनका औपचारिक स्वागत किया गया और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री के आगमन पर भारी बारिश हो रही थी, फिर भी अमेरिकी सेना के ऑर्केस्ट्रा बैंड द्वारा भारतीय राष्ट्र गान बजाये जाने के दौरान श्री मोदी दृढ़ता के साथ खड़े नजर आये, इस पर लोगों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को एक सच्चे राष्ट्रवादी की संज्ञा दी।

देखा था। श्री मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मैं कई बार यहां आया, लेकिन आज पहली बार व्हॉइट हाउस के दरवाजे इतनी बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी समुदाय के लोगों के लिए खुले हैं। मैं इसको लेकर काफी सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय के लोग अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के जरिये अमेरिका में भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं।

व्हॉइट हाउस में शानदार स्वागत के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि आज व्हॉइट हाउस में शानदार स्वागत सम्मान एक प्रकार से 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह अमेरिका में रहने वाले करीब 40 लाख भारतीय मूल के लोगों का भी सम्मान है। इसके लिए मैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन का आभार प्रकट करता हूं।

प्रधानमंत्री का अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक में संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राज्य अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स के अध्यक्ष श्री केविन मैक्कार्थी, सीनेट में बहुमत के नेता श्री चार्ल्स शूमर, सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी के नेता श्री मिच मैककोनेल और सदन में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता श्री हकीम जेफ्रीस के निमंत्रण पर 22 जून, 2023 को संयुक्त राज्य अमेरिका की कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर संयुक्त राज्य अमेरिका की उपराष्ट्रपति सुश्री कमला हैरिस भी उपस्थित थीं।

कैपिटल हिल पहुंचने पर कांग्रेस के नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री का औपचारिक रूप से स्वागत किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने सदन के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी और कांग्रेस के विभिन्न नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कीं।

अध्यक्ष श्री मैक्कार्थी ने प्रधानमंत्री के सम्मान में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया। संयुक्त राज्य अमेरिका की कांग्रेस की संयुक्त बैठक में श्री मोदी का यह दूसरा संबोधन था। उन्होंने इससे पहले सितंबर, 2016 में संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित किया था।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच के संबंधों को मजबूत करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की कांग्रेस में लंबे समय से चले आ रहे और मजबूत द्विदलीय समर्थन की सराहना की।

श्री मोदी ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच के द्विपक्षीय संबंधों में हुई तेज प्रगति के बारे में बात की तथा द्विपक्षीय संबंधों को और ऊपर उठाने से संबंधित अपने दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने भारत की व्यापक प्रगति और दुनिया के लिए उसके द्वारा पेश किए जाने वाले अवसरों को भी रेखांकित किया। यहां प्रस्तुत है श्री मोदी के संबोधन की मुख्य बातें:

अमेरिकी कांग्रेस को दो बार संबोधित करना एक असाधारण सम्मान

अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करना हमेशा एक बड़ा सम्मान होता है। ऐसा अवसर दो बार प्राप्त करना एक असाधारण अवसर है। इस सम्मान के लिए भारत की 1.4 अरब जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मैं देख रहा हूं कि आप में से लगभग आधे लोग 2016 में यहां थे। मैं पुराने मित्रों के तौर पर आपके उत्साहपूर्ण

भारतीय राजनेता और उनकी अमेरिकी राजकीय यात्राएं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से पहले केवल दो भारतीय नेताओं को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आधिकारिक राज्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। जून, 1963 में राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन और नवंबर, 2009 में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को आमंत्रित किया गया था।

कुल नौ भारतीय प्रधानमंत्रियों ने अमेरिका का दौरा किया है, जिसमें जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी ने चार-चार यात्रा की, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने तीन यात्राएं कीं, पीवी नरसिम्हा राव ने दो यात्राएं कीं और मोरारजी देसाई और इंद्र कुमार गुजराल ने एक यात्रा की। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने आठ बार अमेरिकी यात्रा की।

प्रधानमंत्री मोदी की 2014 के बाद अमेरिकी यात्राएं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पहली बार 2014 में अमेरिका के दौरे पर गए। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण थी, क्योंकि इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में अपना पहला भाषण भी दिया था। इसके बाद 2016 में 'परमाणु सुरक्षा शिखर सम्मेलन' के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अमेरिका का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने व्हॉइट हाउस में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा से मुलाकात की और द्विपक्षीय वार्ता की। उनकी 2019 की यात्रा को उनकी सबसे महत्वपूर्ण यात्राओं में से एक माना जाता है। उन्होंने ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' नामक एक कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में 50,000 लोगों ने भाग लिया और इस कार्यक्रम को तत्कालीन अमेरिकी श्री राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी संबोधित किया, जिन्होंने बाद में प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। 2017 में प्रधानमंत्री तीन दिवसीय दौरे पर अमेरिका गए। तत्कालीन राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप ने व्हॉइट हाउस में 'वर्किंग डिनर' में उनकी मेजबानी की थी। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय प्रवासियों को भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडेन ने की द्विपक्षीय वार्ता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 जून को व्हॉइट हाउस का दौरा किया, जहां श्री जोसेफ बाइडेन और प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए हजारों भारतीय-अमेरिकी भी मौजूद थे। इसके बाद, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति श्री बाइडेन के साथ सीमित और प्रतिनिधिमंडल-स्तरीय प्रारूपों में उपयोगी बातचीत की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मैत्री और व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन से लेकर जन-जन के बीच संबंधों जैसे क्षेत्रों तक बढ़ते सहयोग पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और समझ के साथ-साथ साझा मूल्यों के बारे में चर्चा की, जो संबंधों को एक नई ऊंचाई तक ले जाने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। उन्होंने क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज (आईसीईटी) जैसी पहलों के माध्यम से हुई तीव्र प्रगति और सशक्त आपूर्ति शृंखला बनाने के लिए रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ाने की गहरी इच्छा की सराहना की। उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों और अंतरिक्ष क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग का स्वागत किया।

दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन से निपटने और एक स्थायी भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने और जलवायु पहल पर सहयोग करने के तरीकों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने अपने लोगों और वैश्विक समुदाय के लाभ के लिए भारत और अमेरिका के बीच बहुआयामी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। इस चर्चा में आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दे भी शामिल रहे। प्रधानमंत्री ने सितंबर, 2023 में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्री बाइडेन का स्वागत करने के प्रति उत्सुकता व्यक्त की।

भाव को महसूस करता हूं। बाकी सभी के बीच भी मैं एक नई मित्रता का उत्साह महसूस कर सकता हूं। मुझे सीनेटर हैरी रीड, सीनेटर जॉन मैक्केन, सीनेटर ओरिन हैच, एलिजा कमिंग्स, एलसी हेस्टिंग्स और अन्य लोगों का स्मरण हैं, जिनसे मेरी 2016 में यहां भेंट हुई थी, पर यह दुःख की बात है कि अब वे हमारे साथ नहीं हैं।

यहां खड़े होकर सात वर्ष पहले यही वह जून है जब हैमिल्टन ने सभी पुरस्कार जीते थे, मैंने कहा था कि इतिहास की दुविधा हमारे साथ थी। अब, जब हमारा युग एक क्रॉसरोड पर है, मैं इस शताब्दी के लिए हमारे आह्वान के संदर्भ में चर्चा करने के लिए यहां उपस्थित हूं। जिस लंबे और वक्र मार्ग पर हमने यात्रा की है, उसमें मित्रता की कसौटी पर हम खरे उतरे हैं। सात वर्ष पहले जब मैं यहां आया था तब से बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन बहुत कुछ समान भी है जैसे— भारत और अमेरिका के बीच की मित्रता को परिपुष्ट करने की हमारी प्रतिबद्धता। पिछले कुछ वर्षों में एआई-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में काफी प्रगति हुई है। साथ ही, अन्य एआई को लेकर अमेरिका व भारत में भी महत्वपूर्ण विकास हुआ है।

लोगों से लगातार जुड़े रहना लोकतंत्र की खूबसूरती

लोकतंत्र की खूबसूरती लोगों से लगातार जुड़े रहने, उनकी बात सुनना और उनकी मनोदशा को महसूस करना है और मैं जानता हूं कि इसमें लंबी यात्रा, बहुत समय, ऊर्जा और प्रयास लगता है। यह गुरुवार की दोपहर है, आप में से कुछ के लिए बेहद व्यस्त दिन है। इसलिए, मैं आपके समय के लिए आभारी हूं। मैं यह भी जानता हूं कि पिछले महीने आप कितने व्यस्त रहे हैं।

एक जीवंत लोकतंत्र का नागरिक होने के नाते मैं एक बात स्वीकार कर सकता हूं अध्यक्ष महोदय आपका काम कठिन है। उत्साह, प्रतिपालन और नीति के संघर्षों में इस कार्य को जोड़कर देख सकता हूं। मैं विचारों और विचारधारा के तर्क-वितर्क को समझ

सकता हूं, लेकिन मुझे यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि आज आप विश्व के दो महान लोकतंत्रों— भारत और अमेरिका के बीच संबंधों का महोत्सव मनाने के लिए एक साथ उपस्थित हैं। जब भी आपको पुष्ट द्विदलीय सहमति की आवश्यकता हो तो मुझे सहायता करने में प्रसन्नता का अनुभव होगा। स्वदेश में विचारों का एक मंथन होगा और होना भी चाहिए, लेकिन जब हम अपने राष्ट्र की बात करते हैं, तो हमें एक साथ आना भी चाहिए और आपने दिखाया है कि आप यह कर सकते हैं। इसके लिए बधाई स्वीकार करें।

हमने एक-दूसरे को प्रेरित किया

अमेरिका की स्थापना समान लोगों वाले राष्ट्र की अवधारणा से प्रेरित थी। अपने पूरे इतिहास में आपने दुनिया भर के लोगों को गले लगाया है और आपने उन्हें अमेरिकी स्वप्न में बराबर का भागीदार बनाया है। यहां लाखों लोग हैं, जिनकी जड़ें भारत में हैं। उनमें से कुछ इस कक्ष में शान से बैठते हैं। मेरे पीछे भी एक हैं, जिन्होंने इतिहास रचा है। मुझे जानकारी दी गयी है कि समोसा कॉकस की अब सदन में अहम भूमिका है। मुझे आशा है कि इसमें और बढ़ोतरी होगी और भारतीय पाक शैली की पूर्ण विविधता यहां लाई जाएगी। दो शताब्दियों से अधिक समय से हमने महान अमेरिकियों और भारतीयों की जीवनशैली से एक-दूसरे को प्रेरित किया है। हम महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर को श्रद्धांजलि देते हैं। हम कई अन्य लोगों को भी याद करते हैं जिन्होंने स्वतंत्रता, समानता और न्याय के लिए कार्य किया। आज, उनमें से एक कांग्रेस के सदस्य जॉन लुईस को भी मैं भावभीनी श्रद्धांजलि देना चाहता हूं।

लोकतंत्र हमारे पवित्र और साझा मूल्यों में से एक

लोकतंत्र हमारे पवित्र और साझा मूल्यों में से एक है। यह लंबे समय में विकसित हुआ है और इसने विभिन्न रूप और व्यवस्थाओं को अपनाया हैं। हालांकि, पूरे इतिहास में एक बात स्पष्ट रही है।

- लोकतंत्र वह भावना है जो समानता और सम्मान का समर्थन करती है।
- लोकतंत्र वह विचार है जो परिचर्चा और संवाद का स्वागत करता है।
- लोकतंत्र वह संस्कृति है जो विचार और अभिव्यक्ति को हौसला देती है।
- भारत को अनादिकाल से ऐसे मूल्यों का सौभाग्य प्राप्त है। लोकतांत्रिक भावना के विकास में भारत लोकतंत्र की जननी है।
- सहस्राब्दियों पहले हमारे सबसे पुराने धर्मग्रंथों में कहा गया था, 'एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति'। इसका अर्थ है— सत्य एक है लेकिन बौद्धिक लोग उसे अलग-अलग तरीकों से व्यक्त करते हैं।
- अब, अमेरिका सबसे पुराना और भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

- हमारी साझेदारी लोकतंत्र के भविष्य के लिए शुभ संकेत है।
- हम सब मिलकर दुनिया को बेहतर भविष्य देंगे और भविष्य को बेहतर दुनिया देंगे।

पिछले वर्ष भारत ने अपनी आजादी के 75 साल पूरे किये। प्रत्येक उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन यह विशेष है। हमने किसी न किसी रूप में एक हजार वर्षों के विदेशी शासन के बाद आजादी की 75 वर्षों से अधिक की उल्लेखनीय यात्रा का महोत्सव मनाया। यह सिर्फ लोकतंत्र का ही नहीं बल्कि विविधता, संविधान, उसकी सामाजिक सशक्तीकरण की भावना के साथ-साथ न केवल हमारे प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद का, बल्कि हमारी आवश्यक एकता और अखंडता का भी उत्सव रहा।

हमारे पास दो हजार पांच सौ से अधिक राजनीतिक दल

हमारे पास दो हजार पांच सौ से अधिक राजनीतिक दल हैं। हां, आपने सही सुना— दो हजार पांच सौ। भारत के विभिन्न राज्यों में लगभग बीस अलग-अलग पार्टियां शासन करती हैं। हमारी बाईस आधिकारिक भाषाएं और हजारों बोलियां हैं और फिर भी हम एक स्वर में बात करते हैं। हर सौ मील पर हमारा भोजन बदल जाता है। डोसे से लेकर आलू परांठे तक और श्रीखंड से लेकर संदेश तक, हम इन सबका आनंद लेते हैं। हम दुनिया के सभी धर्मों का घर हैं और हम उन सभी का उत्सव भी मनाते हैं। भारत में विविधता जीवन जीने का एक स्वाभाविक तरीका है।

आज दुनिया भारत के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना चाहती है। मैं इस सदन में भी वह जिज्ञासा देखता हूं। पिछले दशक में भारत में अमेरिकी कांग्रेस के सौ से अधिक सदस्यों का स्वागत करके हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हर कोई भारत के विकास, लोकतंत्र और विविधता को समझना चाहता है। हर कोई जानना चाहता है कि भारत क्या सही कर रहा है और कैसे। करीबी मित्रों के बीच मुझे इसे साझा करते हुए प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

हम एक मज़बूत और भविष्य की साझेदारी की रचना कर रहे हैं: नरेन्द्र मोदी

भारत-अमेरिका की व्यापार और निवेश साझेदारी दोनों देशों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में 23 जून को कहा कि आज का दिन भारत और अमेरिका के संबंधों के इतिहास में एक विशेष महत्व रखता है। आज की हमारी चर्चा और हमारे द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों से हमारी कॉम्प्रिहेंसिव ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप में एक नया अध्याय जुड़ा है। एक नई दिशा और नई ऊर्जा मिली है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत-अमेरिका की व्यापार और निवेश साझेदारी दोनों देशों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। आज अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। हमने निर्णय लिया है कि व्यापार से जुड़े लंबित मुद्दों को समाप्त कर नई शुरुआत की जाये।

उन्होंने कहा कि आई-सेट यानी Initiative for Critical and Emerging Technologies हमारे तकनीकी सहयोग के महत्वपूर्ण फ्रेमवर्क के रूप में उभरा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, स्पेस, क्वांटम और टेलीकॉम जैसे क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ाकर हम एक मज़बूत और भविष्य की साझेदारी की रचना कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि हमने यह भी निर्णय लिया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत और अमेरिका विश्वसनीय पार्टनर्स की तरह रिलाएबल, सिक्योर और रेसिलिएंट ग्लोबल सप्लाई चेन और वैल्यू चेन तैयार करेंगे। भारत और अमेरिका के बीच करीबी रक्षा सहयोग हमारे आपसी विश्वास और साझा रणनीतिक प्राथमिकताओं का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आज की बैठक में हमने कई क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। हिन्द-प्रशांत में शांति और सुरक्षा यह हमारी साझा प्राथमिकता है। हम एकमत हैं कि इस क्षेत्र का विकास और सफलता पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है।

सीमा पार आतंकवाद को समाप्त करने के लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक

श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद और कट्टरवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और अमेरिका कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। हम सहमत हैं कि सीमा पार आतंकवाद को समाप्त करने के लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक है। कोविड महामारी और यूक्रेन संघर्ष से ग्लोबल साउथ के देश विशेष रूप से पीड़ित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा मत है कि इन समस्याओं के समाधान के लिए सभी देशों का एकजुट होना अनिवार्य है। यूक्रेन के घटनाक्रम के शुरुआत से ही भारत ने डायलॉग और डिप्लोमेसी के माध्यम से इस विवाद को सुलझाने पर जोर दिया है। हम शांति की बहाली के लिए हर संभव योगदान देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आवाज़

श्री मोदी ने कहा कि भारत की जी-20 की अध्यक्षता में हम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' पर बल दे रहे हैं। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आवाज़ दे रहे हैं। मैं राष्ट्रपति बाइडेन का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का पूर्ण सदस्य बनाने के मेरे प्रस्ताव पर समर्थन जताया है।

उन्होंने कहा कि हमारे सभी साझे प्रयासों का मूलमन्त्र है— लोकतंत्र और लोकतान्त्रिक मूल्यों तथा व्यवस्थाओं को सशक्त करना। विश्व के दो सबसे बड़े लोकतंत्र— भारत और अमेरिका— मिलकर विश्व शांति, स्थिरता, समृद्धि में महत्वपूर्ण सहयोग दे सकते हैं। मुझे विश्वास है कि इन मूल्यों के आधार पर हम दोनों देशों के लोगों की ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा कर सकेंगे।

अंत में श्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष जी-20 समिट के दौरान आपका भारत में स्वागत करने के लिए भारत और मैं स्वयं भी बहुत ही उत्सुक हैं।

आज भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

जब मैंने प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार अमेरिका का दौरा किया, तो भारत दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। आज भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। हम न केवल विकसित हो रहे हैं, बल्कि तेजी से बढ़ भी रहे हैं। जब भारत बढ़ता है तो पूरी दुनिया बढ़ती है। आख़िरकार, हम दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा हैं। पिछली शताब्दी में जब भारत ने अपनी स्वतंत्रता हासिल की, तो इसने कई अन्य देशों को औपनिवेशिक शासन से खुद को मुक्त करने के लिए प्रेरित किया। इस सदी में जब भारत विकास के मानक स्थापित करेगा, तो यह कई अन्य देशों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेगा। हमारा दृष्टिकोण 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' है। इसका अभिप्राय है, 'सबका विकास, सबके विश्वास और सबके प्रयासों' से साथ मिलकर आगे बढ़ना है।

आइए, मैं आपके साथ साझा करता हूं कि यह दृष्टिकोण गति और व्यापकता के साथ किस प्रकार से कार्यान्वित हो रहा है। हम बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमने 15 करोड़ से अधिक लोगों को आश्रय प्रदान करने के लिए लगभग 4 करोड़ घर दिए हैं। यह ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या का लगभग छह गुना है। हम एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम चलाते हैं जो लगभग पांच सौ मिलियन लोगों के लिए मुफ्त चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करता है। यह दक्षिण अमेरिका की जनसंख्या से भी अधिक है। हमने दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन अभियान के साथ बैंकिंग को उन लोगों तक पहुंचाया जिनके पास बैंकिंग सुविधा नहीं थी। लगभग पांच सौ मिलियन लोगों को इसका लाभ हुआ। यह उत्तरी अमेरिका की जनसंख्या के करीब है।

हमने डिजिटल इंडिया बनाने पर काम किया है। आज देश में 85 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन और इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह यूरोप की जनसंख्या से भी अधिक है। हमने अपने लोगों को भारत में निर्मित कोविड टीकों की 2.2 अरब खुराकें देकर सुरक्षित किया और वह भी निःशुल्क। हो सकता है कि जल्द ही हम महाद्वीपों से भी आगे बढ़ जाएं, इसलिए मैं यहीं रुकना चाहूंगा।

वेद दुनिया के सबसे पुराने धर्मग्रंथों में से एक

वेद दुनिया के सबसे पुराने धर्मग्रंथों में से एक हैं। वे हजारों साल पहले रचित मानवता का एक महान खजाना हैं। उस समय महिला ऋषियों ने वेदों में कई छंदों की रचना की और आज आधुनिक भारत में महिलाएं हमें बेहतर भविष्य की ओर ले जा रही हैं। भारत

प्रधानमंत्री ने भारत-अमेरिका हाई-टेक हैंडशेक कार्यक्रम में की भागीदारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जोसेफ आर. बाइडेन ने 24 जून को वाशिंगटन डी.सी. में व्हॉइट हाउस में भारत-अमेरिका हाई-टेक हैंडशेक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन अमेरिकी वाणिज्य मंत्री सुश्री जीना रायमोंडो ने किया। इस कार्यक्रम में भारत और अमेरिका की अग्रणी तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप के सीईओ की भागीदारी देखी गई। फोरम का विषयगत फोकस 'सभी के लिए एआई' और 'मानव जाति के लिए विनिर्माण' पर था।

यह कार्यक्रम दोनों नेताओं के लिए भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते प्रौद्योगिकी सहयोग की समीक्षा करने का एक अवसर था। विचार-विमर्श का केंद्र बिंदु अपने नागरिकों और दुनिया की जरूरतों को पूरा करने के लिए एआई सक्षम समावेशी अर्थव्यवस्था को अपनाने में भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी की भूमिका और संभावना पर था।

सीईओ ने वैश्विक सहयोग कायम करने के लिए दोनों देशों के तकनीकी इकोसिस्टम के बीच मौजूदा संबंधों, भारत के प्रतिभाशाली कार्यबल और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में भारत द्वारा की गई प्रगति का लाभ उठाने के उपायों के बारे में चर्चा की। उन्होंने रणनीतिक सहयोग शुरू करने, मानकों पर सहयोग करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संबंधित उद्योगों के

बीच नियमित जुड़ाव का आह्वान किया।

अपनी टिप्पणी में प्रधानमंत्री ने सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भारत-अमेरिका तकनीकी सहयोग का उपयोग करने की अपार क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने में भारत के प्रतिभाशाली युवाओं के योगदान की भी सराहना की। राष्ट्रपति श्री बाइडेन ने सीईओ से जैव-प्रौद्योगिकी और क्वांटम सहित नए क्षेत्रों में भारत-अमेरिका तकनीकी साझेदारी का विस्तार करने में मदद करने का आह्वान किया। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-अमेरिका साझेदारी हमारे लोगों और दुनिया के लिए बेहतर भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

का दृष्टिकोण सिर्फ महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाला विकास नहीं है। यह महिला नेतृत्व वाले विकास का है, जहां महिलाएं प्रगति की यात्रा का नेतृत्व करती हैं। एक साधारण जनजाति की पृष्ठभूमि से निकलकर एक महिला हमारी राष्ट्रपति बनी हैं।

लगभग एक दशमलव पांच मिलियन निर्वाचित महिलाएं विभिन्न स्तरों पर हमारा नेतृत्व करती हैं और वह है स्थानीय सरकारों के रूप में हैं। आज महिलाएं थल सेना, नौसेना और वायु सेना में हमारे देश की सेवा कर रही हैं। विश्व में महिला एयरलाइन पायलटों का प्रतिशत भी भारत में सबसे अधिक है और उन्होंने हमारे मंगल मिशन का नेतृत्व करके हमें मंगल ग्रह पर भी पहुंचाया है। मेरा मानना है कि एक बालिका के उत्थान पर निवेश करने से पूरे परिवार का उत्थान होता है। महिलाओं को सशक्तीकरण राष्ट्र का सशक्तीकरण कर देता है।

भारत युवा आबादी वाला एक प्राचीन राष्ट्र

भारत युवा आबादी वाला एक प्राचीन राष्ट्र है। भारत अपनी परंपराओं के लिए जाना जाता है, लेकिन युवा पीढ़ी इसे टेक्नोलॉजी का हब भी बना रही है। चाहे वह इंस्टा पर क्रिएटिव रील्स हो या रियल टाइम पेमेंट, कोडिंग या क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग या मोबाइल ऐप, फिनटेक या डेटा साइंस, भारत के युवा इस बात का एक बड़ा उदाहरण हैं कि एक समाज नवीनतम तकनीक को कैसे अपना सकता है। भारत में प्रौद्योगिकी न केवल नवाचार से जुड़ी है बल्कि समावेशन के संबंध में भी महत्वपूर्ण है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म निजता की रक्षा करते हुए लोगों के अधिकारों और सम्मान को सशक्त बना रहे हैं।

पिछले नौ वर्षों में एक अरब से अधिक लोगों को उनके बैंक खातों और मोबाइल फोन से जुड़ी एक अद्वितीय डिजिटल बायोमेट्रिक पहचान मिली है। यह डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा हमें वित्तीय सहायता के साथ नागरिकों तक सेकंडों में पहुंचने में मदद करता है। आठ सौ पचास मिलियन लोगों को उनके खातों में प्रत्यक्ष लाभ वित्तीय हस्तांतरण प्राप्त होता है। साल में तीन बार एक बटन के क्लिक पर सौ मिलियन से अधिक किसानों को उनके बैंक खातों में सहायता प्राप्त होती है। ऐसे हस्तांतरणों का मूल्य तीन सौ बीस अरब डॉलर से अधिक हो गया है और हमने इस प्रक्रिया में पच्चीस अरब डॉलर से अधिक की बचत की है। यदि आप भारत का दौरा करें, तो आप देखेंगे कि हर कोई भुगतान के लिए फोन का उपयोग कर रहा है, जिसमें एक सड़क विक्रेता भी शामिल हैं।

पिछले वर्ष दुनिया में 100 रियल टाइम डिजिटल भुगतान में से 46 भारत में हुए। लगभग चार लाख मील ऑप्टिकल फाइबर केबल और सस्ते डेटा ने अवसरों की क्रांति ला दी है। किसान मौसम संबंधी अपडेट देखते हैं, बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा भुगतान मिलती है, छात्रों को छात्रवृत्ति मिलती है, डॉक्टर टेली-मेडिसिन देते हैं, मछुआरे मछली पकड़ने की संभावनाओं की मदद लेते हैं और छोटे व्यवसायों

प्रधानमंत्री ने 'भारत और यूएसए: भविष्य के लिए कौशल विकास' कार्यक्रम में लिया भाग

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और यूएसए की प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन ने 22 जून को वाशिंगटन डीसी स्थित राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में 'भारत और यूएसए: भविष्य के लिए कौशल विकास' विषय पर केंद्रित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

यह आयोजन पूरे समाज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और इसका विस्तार करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यबल का पुनर्विकास करने पर केंद्रित था। प्रधानमंत्री ने शिक्षा, कौशल और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय और अमेरिकी शैक्षणिक व अनुसंधान इकोसिस्टम के बीच वर्तमान में चल रहे द्विपक्षीय शैक्षणिक आदान-प्रदान तथा आपसी सहयोग की सराहना की। प्रधानमंत्री ने शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में भारत-अमेरिका सहयोग को गति प्रदान करने के लिए 5 सूत्री प्रस्ताव प्रस्तुत किए, जो इस प्रकार हैं:

- सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत को एक साथ लाने वाला एकीकृत दृष्टिकोण
- शिक्षकों और छात्रों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना
- दोनों देशों के बीच विभिन्न विषयों पर हैकथॉन का आयोजन
- व्यावसायिक कौशल योग्यताओं को परस्पर मान्यता देना
- शिक्षा एवं अनुसंधान से जुड़े लोगों की यात्रा को प्रोत्साहित करना।

इस कार्यक्रम में नॉर्दर्न वर्जीनिया कम्युनिटी कॉलेज के अध्यक्ष, अमेरिकी विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष और सीईओ तथा छात्र उपस्थित थे।

को अपने फोन पर सिर्फ एक टैप से ऋण मिलता है।

लोकतंत्र, समावेश और स्थिरता की भावना

लोकतंत्र, समावेश और स्थिरता की भावना हमें परिभाषित करती है। यह दुनिया के प्रति हमारे दृष्टिकोण को भी आकार देता है। भारत अपनी पृथ्वी के प्रति जिम्मेदार रहते हुए आगे बढ़ता है।

हमें यकीन हैः माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः

इसका अर्थ है— 'पृथ्वी हमारी माता है और हम उसकी संतान हैं।'

भारतीय संस्कृति पर्यावरण और हमारे ग्रह का हृदय से सम्मान करती है। सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनते हुए हमने अपनी सौर क्षमता में दो हजार तीन सौ प्रतिशत की वृद्धि की। हां, आपने सही सुना— दो हज़ार तीन सौ प्रतिशत।

हम अपनी पेरिस प्रतिबद्धता को पूरा करने वाले एकमात्र जी-20 देश बन गए हैं। हमने 2030 के लक्ष्य से नौ साल पहले नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को हमारे ऊर्जा स्रोतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा बना लिया, लेकिन हम यहीं नहीं रुके। ग्लासगो शिखर सम्मेलन में मैंने पर्यावरण के लिए मिशन लाइफ-लाइफस्टाइल का प्रस्ताव रखा। यह स्थिरता को एक सच्चा जन आंदोलन बनाने का एक तरीका है। इसे केवल सरकारों के काम पर ही न छोड़ें।

रक्षा, अंतरिक्ष और व्यापार पर हुए कई प्रमुख समझौते

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की इस राजकीय यात्रा के दौरान रक्षा, अंतरिक्ष और व्यापार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई प्रमुख समझौते हुए। प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री बाइडन ने सैन्य विमानों के लिए जेट इंजन के संयुक्त उत्पादन संबंधी 'ऐतिहासिक' समझौते और अमेरिकी ड्रोन समझौते की प्रशंसा की।

भारत और अमेरिका के अपनी रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए तैयार होने के बीच जीई एयरोस्पेस ने घोषणा की कि उसने भारतीय वायु सेना के हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके-2 तेजस के वास्ते संयुक्त रूप से लड़ाकू जेट इंजन का उत्पादन करने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक समझौता किया है।

एक अन्य बड़ी घोषणा में कंप्यूटर स्टोरेज चिप निर्माता माइक्रॉन ने कहा कि वह गुजरात में अपना 'सेमीकंडक्टर असेंबली' और परीक्षण संयंत्र स्थापित करेगी, जिसमें कुल 2.75 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 22,540 करोड़ रुपये) का निवेश होगा।

प्रधानमंत्री ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और प्रथम महिला के साथ निजी कार्यक्रम में भाग लिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जून, 2023 को अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन और प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन द्वारा व्हॉइट हाउस में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में भाग लिया। श्री मोदी ने उनके परिजनों से भी मुलाकात की। इस विशेष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की भागीदारी हमारे दोनों देशों के बीच मधुर मित्रता की पुष्टि करती है।

चुनाव करते समय सचेत रहकर प्रत्येक व्यक्ति सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। स्थिरता को एक जन आंदोलन बनाने से दुनिया को नेट ज़ीरो लक्ष्य तक तेजी से पहुंचने में मदद मिलेगी। हमारा दृष्टिकोण धरती-समर्थक प्रगति है। हमारा दृष्टिकोण धरती समृद्धि समर्थक है। हमारा दृष्टिकोण धरती समर्थक लोगों का है।

'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड'

हम 'वसुधैव कुटुंबकम' या 'विश्व एक परिवार है' के आदर्श वाक्य के साथ जीते हैं। दुनिया के साथ हमारा जुड़ाव हर किसी के लाभ के लिए है। 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' दुनिया को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ने में हम सभी को शामिल करना चाहता है। 'वन अर्थ, वन हेल्थ' पशुओं और पौधों सहित सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल लाने के लिए वैश्विक कार्रवाई का एक दृष्टिकोण है।

जब हम जी-20 की अध्यक्षता करते हैं तो इसकी थीम में भी यही भावना देखी जाती है— 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य।' हम योग के माध्यम से भी एकता की भावना को आगे बढ़ाते हैं। कल ही पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए एक साथ एक मंच पर आई। अभी पिछले हफ्ते सभी देश शांति सैनिकों के सम्मान में एक स्मारक दीवार बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में हमारे प्रस्ताव में शामिल हुए।

और इस वर्ष पूरी दुनिया सतत कृषि और पोषण को समान रूप से बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष मना रही है। कोविड के दौरान हमने एक सौ पचास से अधिक देशों में टीके और दवाएं पहुंचाईं। हम आपदाओं के दौरान पहले प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में दूसरों तक पहुंचते हैं, जैसाकि हम अपने लिए करते हैं। हम अपने मामूली संसाधनों को उन लोगों के साथ साझा करते हैं, जिन्हें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। हम क्षमताओं का निर्माण करते हैं, निर्भरता का नहीं।

संयुक्त राज्य अमेरिका का एक विशेष स्थान

जब मैं दुनिया के प्रति भारत के दृष्टिकोण के बारे में बात करता हूं तो इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका एक विशेष स्थान रखता है। मैं

जानता हूं कि हमारे संबंध आप सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। कांग्रेस के प्रत्येक सदस्य की इसमें गहरी रुचि है। जब भारत में रक्षा और एयरोस्पेस बढ़ता है तो वाशिंगटन, एरिज़ोना, जॉर्जिया, अलबामा, दक्षिण कैरोलिना और पेंसिल्वेनिया राज्यों में उद्योग बढ़ते हैं। जब अमेरिकी कंपनियां बढ़ती हैं तो भारत में उनके अनुसंधान और विकास केंद्र भी फलते-फूलते हैं। जब भारतीय अधिक उड़ान भरते हैं, तो विमानों का एकमात्र ऑर्डर अमेरिका के चवालिस राज्यों में दस लाख से अधिक रोज़गारों का सृजन करता है।

जब कोई अमेरिकी फोन निर्माता भारत में निवेश करता है तो यह दोनों देशों में रोज़गारों और अवसरों का एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र बनाता है। जब भारत और अमेरिका सेमी-कंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों पर एक साथ काम करते हैं तो यह दुनिया को आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक विविध, लचीला और विश्वसनीय बनाने में मदद करता है। वास्तव में अध्यक्ष महोदय, सदी की शुरुआत में हम रक्षा सहयोग में न्यून थे। अब संयुक्त राज्य अमेरिका हमारे सबसे महत्वपूर्ण रक्षा भागीदारों में से एक बन गया है। आज भारत व अमेरिका अंतरिक्ष और समुद्र में, विज्ञान और सेमी-कंडक्टर में, स्टार्ट-अप और स्थिरता में, तकनीक एवं व्यापार में, खेती और वित्त में, कला और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में, ऊर्जा और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल व मानवीय प्रयासों में एक साथ काम कर रहे हैं।

हम लगातार चलना जारी रह सकते हैं, लेकिन इसे संक्षेप में कहने के लिए मैं कहूंगा— हमारे सहयोग का दायरा अनंत है, हमारे तालमेल की क्षमता असीमित है और हमारे संबंधों में जुड़ाव सहज है।

इन सबमें भारतीय अमेरिकियों ने बड़ी भूमिका निभाई है। वे सिर्फ 'स्पेलिंग बी' में ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में प्रतिभाशाली हैं। अपने दिल और दिमाग, प्रतिभा और कौशल तथा अमेरिका और भारत के प्रति अपने प्यार से उन्होंने हमें जोड़ा है; उन्होंने दरवाजे खोल दिये हैं; उन्होंने हमारी साझेदारी की क्षमता दिखाई है।

इस सदी की एक निर्णायक साझेदारी

अतीत के प्रत्येक भारतीय प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमारे संबंधों को आगे बढ़ाया है। लेकिन हमारी पीढ़ी को इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने का गौरव प्राप्त है, मैं राष्ट्रपति बाइडेन से सहमत हूं कि यह इस सदी की एक निर्णायक साझेदारी है, क्योंकि यह एक बड़े उद्देश्य की पूर्ति करती है। लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और नियति हमें वह उद्देश्य देती है। वैश्वीकरण का एक परिणाम आपूर्ति शृंखलाओं का अति-संकेन्द्रण रहा है।

हम आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने, विकेंद्रीकरण और लोकतंत्रीकरण करने के लिए मिलकर काम करेंगे। प्रौद्योगिकी इक्कीसवीं सदी में सुरक्षा, समृद्धि और नेतृत्व का निर्धारण करेगी। इसीलिए हमारे दोनों देशों ने एक नई 'महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए पहल' की स्थापना की। हमारी ज्ञान साझेदारी मानवता की सेवा करेगी और जलवायु परिवर्तन, भूख और स्वास्थ्य की वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशेगी।

प्रधानमंत्री ने संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ की बातचीत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 जून, 2023 को वाशिंगटन डी.सी. के रोनाल्ड रीगन सेंटर में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के सदस्यों को संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता के लिए बधाई दी और उन्हें अमृत काल के दौरान भारत के विकास में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया। श्री मोदी ने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और द्विपक्षीय साझेदारी के भविष्य के क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

पिछले कुछ वर्ष गंभीर विघटनकारी घटनाओं के साक्षी

पिछले कुछ वर्ष गंभीर विघटनकारी घटनाओं के साक्षी रहे हैं। यूक्रेन संघर्ष के साथ युद्ध यूरोप में लौट आया है। इससे क्षेत्र में भारी पीड़ा हो रही है। चूंकि इसमें प्रमुख शक्तियां शामिल हैं, परिणाम गंभीर होंगे। ग्लोबल साउथ के देश विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं। वैश्विक व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के सम्मान, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर आधारित है।

जैसाकि मैंने प्रत्यक्ष और सार्वजनिक रूप से कहा है, यह युद्ध का युग नहीं अपितु लेकिन यह संवाद और कूटनीति में से एक का युग है और हम सभी को रक्तपात और मानवीय पीड़ा को रोकने के लिए वह सब करना चाहिए जो हम कर सकते हैं। दबाव और टकराव के काले बादल इंडो पैसिफिक में अपनी छाया डाल रहे हैं। क्षेत्र की स्थिरता हमारी साझेदारी की मुख्य चिंताओं में से एक बन गई है।

हम एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो पैसिफिक का दृष्टिकोण

साझा करते हैं, जो सुरक्षित समुद्रों से जुड़ा हो, अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा परिभाषित हो, प्रभुत्व से मुक्त हो और आसियान केंद्रीयता में स्थित हो। एक ऐसा क्षेत्र जहां सभी राष्ट्र, छोटे और बड़े, अपनी पसंद में स्वतंत्र और निडर हैं, जहां प्रगति ऋण के असंभव बोझ से नहीं दबती है, जहां रणनीतिक उद्देश्यों के लिए कनेक्टिविटी का लाभ नहीं उठाया जाता है, जहां सभी राष्ट्र साझा समृद्धि की उच्च भावना से ओतप्रोत रहते हैं।

हमारा दृष्टिकोण रोकने या बहिष्कृत करने का नहीं, बल्कि शांति और समृद्धि का एक सहयोगी क्षेत्र बनाने का है। हम क्षेत्रीय संस्थानों और क्षेत्र के भीतर और बाहर के अपने भागीदारों के साथ काम करते हैं। इसमें से क्वाड क्षेत्र की भलाई की एक बड़ी शक्ति बनकर उभरा है।

कट्टरपंथ और आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर ख़तरा

9/11 के बाद के दो दशक से भी अधिक समय और मुंबई में 26/11 के एक दशक से भी अधिक समय के बाद भी कट्टरपंथ और आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर ख़तरा बना हुआ है। ये विचारधाराएं नई-नई पहचान और रूप लेती रहती हैं, लेकिन उनके इरादे वही रहते हैं। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इससे निपटने में कोई किंतु-परंतु नहीं हो सकता। हमें आतंक को प्रायोजित और फैलाने वाली ऐसी सभी ताकतों पर काबू पाना होगा।

कोविड-19 का सबसे बड़ा प्रभाव इसके कारण हुई मानवीय क्षति और पीड़ा थी। मैं कांग्रेस सदस्य रॉन राइट और उन सदस्यों को याद करना चाहता हूं, जिन्होंने कोविड से अपनी जान गंवाई। जैसे ही हम महामारी से बाहर निकलते हैं, हमें एक नई विश्व व्यवस्था को आकार देना होगा। विचार-विमर्श, देखभाल और सरोकार समय की मांग है। ग्लोबल साउथ से जुड़ना ही आगे बढ़ने का रास्ता है। इसीलिए मेरा दृढ़ विश्वास है कि अफ्रीकी संघ को जी-20 की पूर्ण सदस्यता दी जानी चाहिए।

बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करना जरूरी

हमें बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करना चाहिए और बेहतर संसाधनों और प्रतिनिधित्व के साथ बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार करना चाहिए। यह शासन की हमारी सभी वैश्विक संस्थाओं विशेषकर संयुक्त राष्ट्र पर लागू होता है। जब दुनिया बदल गई है तो हमारी संस्थाएं भी बदलनी चाहिए अथवा नियमों के बिना प्रतिद्वंद्विता की दुनिया द्वारा प्रतिस्थापित होने का जोखिम रहता है। अंतरराष्ट्रीय कानून पर आधारित एक नई विश्व व्यवस्था के लिए काम करने में हमारे दोनों देश भागीदार के रूप में सबसे आगे रहेंगे।

आज, हम अपने संबंधों की एक नई सुबह में एक साथ हैं जो न केवल हमारे दोनों देशों, बल्कि दुनिया के भाग्य को भी आकार देगा। जैसाकि युवा अमेरिकी कवि अमांडा गोर्मन ने व्यक्त किया हैः 'जब दिन निकलता है तो हम अंधेरे से बाहर निकलते हैं, प्रज्वलित और निडर, जैसे ही हम इससे मुक्त होते हैं, नई सुबह खिलती है, क्योंकि वहां सदैव प्रकाश है, काश हम इसे महसूस करने के लिए पर्याप्त साहस रखते।'

हमारी विश्वसनीय साझेदारी इस नई सुबह में सूर्य की तरह है जो चारों ओर प्रकाश फैलाएगी।

मुझे अपनी लिखी हुई एक कविता याद आती हैः

आसमान में सिर उठाकर
घने बादलों को चीरकर
रोशनी का संकल्प लें
अभी तो सूरज उगा है।
दृढ़ निश्चय के साथ चलकर
हर मुश्किल को पार कर
घोर अंधेरे को मिटाने
अभी तो सूरज उगा है।।

हम एक समान दृष्टिकोण और एक समान नियति से एकजुट

हम अलग-अलग परिस्थितियों और इतिहास से आते हैं, लेकिन हम एक समान दृष्टिकोण और एक समान नियति से एकजुट हैं। जब हमारी साझेदारी आगे बढ़ती है, आर्थिक लचीलापन बढ़ता है, नवाचार बढ़ता है, विज्ञान फलता-फूलता है, ज्ञान आगे बढ़ता है, मानवता को लाभ होता है, हमारे समुद्र और आसमान सुरक्षित होते हैं, इससे लोकतंत्र उज्ज्वल होगा और दुनिया एक बेहतर जगह होगी।

यही हमारी साझेदारी का मिशन है। इस सदी के लिए यही हमारा आह्वान है। हमारी साझेदारी के उच्च मानकों के हिसाब से भी यह यात्रा एक महान सकारात्मक परिवर्तन में से एक है। साथ मिलकर हम यह प्रदर्शित करेंगे कि लोकतंत्र मायने रखता है और लोकतंत्र परिणाम देता है। मैं भारत-अमेरिका साझेदारी के लिए आपके निरंतर समर्थन पर भरोसा करता हूं।

जब मैं 2016 में यहां आया था तो मैंने कहा था कि 'हमारा रिश्ता एक महत्वपूर्ण भविष्य के लिए तैयार है'। वह भविष्य आज है। इस सम्मान के लिए एक बार फिर अध्यक्ष महोदय, उपराष्ट्रपति महोदया और विशिष्ट सदस्यों को धन्यवाद देता हूं। ■

प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का किया नेतृत्व

योग सही अर्थ में सार्वभौमिक है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जून, 2023 को न्यूयॉर्क शहर में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के प्रतिष्ठित नॉर्थ लॉन में 9वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया। इस वर्ष की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग' है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' यानी 'एक पृथ्वी-एक परिवार-एक भविष्य।' इस कार्यक्रम में 135 से अधिक देशों के योग के प्रति उत्साहित हजारों लोगों की जबरदस्त रुचि देखी गई, जिसने एक योग सत्र में सबसे अधिक देशों के लोगों द्वारा भागीदारी के लिए 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' स्थापित किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव श्री एंटोनियो गुटेरेस का एक वीडियो संदेश भी चलाया गया।

इस कार्यक्रम में 77वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष श्री साबा कोरोसी, न्यूयॉर्क सिटी के मेयर श्री एरिक एडम्स, संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समूह की अध्यक्ष सुश्री अमीना जे. मोहम्मद सहित कई महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों तथा जीवन के सभी क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों— राजनयिकों, अधिकारियों, शिक्षाविदों, स्वास्थ्य पेशेवरों, प्रौद्योगिकीविदों, उद्योग जगत के जाने-माने लोग, मीडिया की हस्तियों, कलाकारों, आध्यात्मिक गुरुओं और योग साधकों ने हिस्सा लिया।

योग सत्र से पहले प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, जिसका उद्घाटन दिसंबर, 2022 में भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की अध्यक्षता के दौरान किया गया था। इसके बाद प्रधानमंत्री ने नॉर्थ लॉन में स्थित पीसकीपिंग मेमोरियल में श्रद्धांजलि अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2015 में मनाया गया और तब से संयुक्त राष्ट्र, टाइम्स स्क्वायर और दुनिया भर के सुप्रसिद्ध स्थानों पर योग के लाभ एवं इसके बहुआयामी प्रभाव पर कई सत्र और कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संयुक्त राष्ट्र ने भी कहा है कि योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। 'योग' शब्द संस्कृत से लिया गया है और इसका अर्थ है जुड़ना या एकजुट होना, जो शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक है। आज, यह दुनिया भर में विभिन्न रूपों में प्रचलित है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है

9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए 21 जून को कहा कि संपूर्ण मानवता के मिलन स्थल पर— न्यूयॉर्क के इस शानदार शहर में— मुझे पता है; आपमें से बहुत से लोग काफी दूर से आये हैं। यहां आने के लिए आपमें से अधिकांश लोग सूर्योदय से पहले उठे होंगे। आप सभी को देखकर मैं प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूं और मैं आप सभी को यहां आने के लिए धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी दी गयी है कि आज यहां लगभग हर राष्ट्रीयता का प्रतिनिधित्व है और हम सबको एक साथ लाने का बेहद असाधारण प्रयोजन योग है।

योग का अर्थ है 'एकजुट' होना

श्री मोदी ने कहा कि योग का अर्थ है 'एकजुट' होना। तो आपका एक साथ आना योग के दूसरे रूप की अभिव्यक्ति है। मुझे याद है, लगभग नौ वर्ष पहले यहीं संयुक्त राष्ट्र में मुझे 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव देने का सम्मान मिला था। उस समय पूरी दुनिया का इस विचार के समर्थन में एक साथ खड़े होना अविस्मरणीय था।

उन्होंने कहा कि मैंने अभी-अभी वीर संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये हैं। 2015 में मैंने उनकी याद में संयुक्त राष्ट्र में एक नवीन स्मारक के निर्माण का आह्वान किया था और पिछले हफ्ते पूरी दुनिया ने इसे शीघ्र ही साकार करने के लिए भारत के साथ अपनी प्रतिबद्धता जताई। सबसे बड़ी सैन्य टुकड़ी का योगदान करने वाले देश के रूप में हम इस नेक कार्य में समर्थन की अभिव्यक्ति के लिए सभी देशों के आभारी हैं।

मिलेट एक सुपरफूड

श्री मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाने के भारत के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए पूरी दुनिया ने एक साथ समर्थन जताया था। मिलेट एक सुपरफूड है। वे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं और पर्यावरण की दृष्टि से भी उत्तम हैं और आज पूरी दुनिया को फिर से योग के लिए एक साथ आते देखना अद्भुत है।

योग हमारी संस्कृति के साथ गहराई से जुड़ा है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 जून, 2023 को गुरुग्राम के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीययोग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, ''यह देश के लिए बहुत गर्व की बात है कि आज दुनिया के 192 देश योग कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और दुनिया हमारे देश की परंपरा को अपना रही है।''

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, जिसका सभी देशों ने समर्थन किया। तब से हर साल 21 जून को दुनिया भर में योग दिवस मनाया जाता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगे कहा कि योग दिवस समारोह इसके विभिन्न लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक कल्याण के लिए इसके समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

उन्होंने लोगों से इस अभ्यास को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह किया। श्री नड्डा ने कहा, ''योग हमारी संस्कृति के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है जो हमारे मन, आत्मा, बुद्धि और शरीर को जोड़ता है। योग दुनिया को शांति से रहने की कला सिखाता है और खुश एवं संतुलित जीवन कैसे जीते है, इस पर भी प्रकाश डालता है। योग मन को शांत और शरीर को स्वस्थ रखता है।''

कार्यक्रम में हरियाणा भाजपा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश धनखड़, भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद श्री धर्मबीर सिंह और अन्य नेतागण भी शामिल हुए। श्री नड्डा ने गुरूग्राम में 'हर घर आंगन योग' में भी भाग लिया। ■

रक्षा मंत्री ने आईएनएस विक्रांत पर किया योगाभ्यास

योग शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है: राजनाथ सिंह

रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून, 2023 को स्वदेशी विमान वाहक जहाज आईएनएस विक्रांत पर सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक कर्मियों के साथ योगाभ्यास किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार अनेक गणमान्य व्यक्तियों, 120 अग्निवीरों व 800 से अधिक कर्मियों के साथ योगाभ्यास के अवसर पर उपस्थित थे।

विशेष योग प्रशिक्षकों ने फिजिकल फिटनेस, मानसिक शांति तथा आध्यात्मिक आरोग्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न आसनों और श्वास अभ्यासों को करने में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

योगाभ्यास सत्रों के बाद रक्षा मंत्री ने योग प्रशिक्षकों को सम्मानित किया और प्रतिभागियों से बातचीत की। उन्होंने योगाभ्यास के वैश्विक उत्सव को देश के लिए बहुत गर्व की बात बताया, क्योंकि विश्व भारतीय संस्कृति को स्वीकार कर रहा है और अपना रहा है। उन्होंने विश्व भर में योग के प्रसार के लिए सरकार के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि भारत विश्व को यह संदेश देने में सफल रहा है कि यह अभ्यास पूरी मानवता को अनेक लाभ प्रदान करता है।

श्री राजनाथ सिंह ने जनसमुदाय से अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करने की अपील की, क्योंकि यह मानव को प्रकृति और परमात्मा से जोड़ने के अतिरिक्त शरीर को मन के साथ जोड़ता है, जबकि आध्यात्मिक चेतना पाने के लिए एक कदम के रूप में कार्य करता है। उन्होंने योग को 'अमृत' के बराबर बताया जो शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है और लोगों के दैनिक जीवन में गहरे स्तर पर समग्र आरोग्य प्रदान करते हुए मन, शरीर और आत्मा के पोषण के लिए संभावनाओं के द्वार खोलता है। ■

दुनिया ने भारत की संस्कृति की ताकत को देखा: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास को भारत के लिए ऐतिहासिक दिन बताया।

ट्वीट्स के माध्यम से श्री अमित शाह ने 21 जून, 2023 को कहा कि आज जब प्रधानमंत्री मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में योगाभ्यास किया तो दुनिया ने भारत की संस्कृति की ताकत को देखा। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने न सिर्फ वैश्विक मंच पर योग को बढ़ावा दिया है, बल्कि एकता की एक नई वैश्विक दृष्टि प्रदान कर भारत का गौरव पुनर्स्थापित किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सबसे अधिक देशों के लोगों ने एक साथ योग किया, जो गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। यह एक असाधारण उपलब्धि है। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति में हासिल हुई ये उपलब्धि योग और भारत की समावेशी भावना को नमन है। ■

उन्होंने कहा कि योग भारत से आता है और यह बहुत पुरानी परंपरा है, लेकिन सभी प्राचीन भारतीय परंपराओं की तरह यह भी जीवंत और गतिशील है। योग निःशुल्क है— कॉपीराइट से मुक्त, पेटेंट से मुक्त और रॉयल्टी भुगतान से भी मुक्त है। आपकी आयु, लिंग और फिटनेस स्तर के अनुसार योग स्वीकरण करने योग्य है। योग सरल है। आप इसे घर पर, या काम पर अथवा यात्रा में भी कर सकते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि योग में अपने को स्थिति के अनुरूप ढाला जा सकता है। आप इसे अकेले या समूह में अभ्यास कर सकते हैं, शिक्षक से सीख सकते हैं, या स्व-शिक्षण कर सकते हैं। योग सभी को जोड़ने वाला है। यह सभी के लिए है, सभी जातियों के लिए है, सभी धर्मों के लिए है और सभी संस्कृतियों के लिए है। योग सही अर्थ में सार्वभौमिक है।

योग जीवन का एक तरीका

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जब हम योग करते हैं तो हम शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से शांत और भावनात्मक रूप से संतुष्ट महसूस करते हैं, लेकिन यह सिर्फ आसन पर बैठकर ही व्यायाम करने तक सीमित नहीं है। योग जीवन का एक तरीका है। स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। विचारों और कार्यों में सावधानी

बरतने का एक तरीका है। सद्भाव में जीने का तरीका— स्वयं के साथ, दूसरों के साथ और प्रकृति के साथ। मुझे प्रसन्नता है कि आप में से बहुत से लोग योग के विभिन्न पहलुओं को वैज्ञानिक रूप से मान्यता दिलाने पर कार्य कर रहे हैं। सही अर्थों में यही मार्ग है।

श्री मोदी ने कहा कि मैं जानता हूं कि आप सभी योग आरंभ करने के इच्छुक हैं और मैं यही चाहता हूं। आज यहां हमारी मेजबानी करने के लिए मैं संयुक्त राष्ट्र को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस आयोजन को सफल बनाने में हरसंभव सहायता और समर्थन के लिए मैं मेयर और न्यूयॉर्क शहर का आभारी हूं और सबसे बढ़कर मैं आज यहां आने के लिए आप सभी को एक बार फिर धन्यवाद देना चाहता हूं। आइए हम योग की शक्ति का उपयोग न केवल स्वस्थ और प्रसन्न रहने के लिए करें, बल्कि अपने और एक-दूसरे के प्रति दयाशील बने रहने के लिए भी करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आइए, हम योग की शक्ति का उपयोग मित्रता के सेतु, एक शांतिपूर्ण दुनिया और एक स्वच्छ, हरित और दीर्घकालिक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए करें। आइए, हम सब मिलकर 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के लक्ष्य को साकार करें। मैं इसी कामना के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूं:

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः, सभी प्रसन्न रहें, सभी स्वस्थ रहें।

सूरत में 1.53 लाख से अधिक लोगों ने एक साथ योग कर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

गुजरात के सूरत शहर में 21 जून, 2023 को एक स्थान पर 1.53 लाख से अधिक लोगों ने एक साथ योग कर 'नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' कायम किया। 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के प्रतिनिधियों ने पुष्टि की कि सूरत में 1.53 लाख से अधिक लोगों ने योग सत्र में भाग लिया। पिछला विश्व रिकॉर्ड राजस्थान के कोटा शहर में 2018 में बनाया गया था, तब 1,00,984 लोगों ने एक स्थान पर योग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया था।

गौरतलब है कि गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सूरत के डुमास इलाके में राज्य स्तरीय 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस कार्यक्रम के बाद 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री पटेल को एक प्रमाण पत्र सौंपते हुए घोषणा की कि एक स्थान पर योग सत्र के लिए सबसे अधिक संख्या में लोगों के एकत्रित होने का एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सूरत को योग के एक सत्र के लिए एक स्थान पर सबसे अधिक लोगों के एकत्र होने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर बधाई दी। गुजरात के गृह राज्यमंत्री श्री हर्ष संघवी के ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि बधाई सूरत। एक उल्लेखनीय उपलब्धि।

योग दुनिया भर में लाखों लोगों को आपस में जोड़ता है: संयुक्त राष्ट्र महासचिव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योग के महत्व पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव श्री एंटोनियो गुटेरेस से सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने यह भी कामना की कि योग दिवस हम सभी को और नजदीक लाए और हमारी पृथ्वी के स्वास्थ्य में सुधार करे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने एक ट्वीट में कहा कि एक विभाजित दुनिया में योग दुनिया भर में लाखों लोगों को आपस में जोड़ता है, जिनके लिए यह शक्ति, सद्भाव और शांति का स्रोत है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने 21 जून को ट्वीट किया कि योग के महत्व पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से पूरी तरह सहमत हूं। कामना है कि योग दिवस हम सभी को और नजदीक लाए और हमारे ग्रह के स्वास्थ्य में सुधार करे।

एक योग सत्र में अधिकांश राष्ट्रीयताओं के भाग लेने का बना 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में न्यूयॉर्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के दौरान 21 जून को एक योग सत्र में अधिकांश राष्ट्रीयताओं के भाग लेने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकारी सर्वश्री माइकल एम्प्रिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज को पुरस्कार प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के लॉन में मौजूद थे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक निर्णायक श्री माइकल

एम्प्रिक ने कहा कि आज योग पाठ में अधिकांश राष्ट्रीयताओं के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स खिताब हासिल करने का प्रयास था। उन्होंने कहा कि आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में उनके पास 135 राष्ट्र हैं। यह एक नया गिनीज विश्व रिकॉर्ड खिताब है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में 100 से अधिक देशों के दूत, अमेरिका के सभी क्षेत्रों के लोग, प्रमुख न्यूयॉर्कवासी, हॉलीवुड हस्तियां और भारतीय प्रवासी के सदस्य शामिल हुए। ■

'महा जनसंपर्क अभियान'

दुनिया में भारत एक मजबूत एवं निर्णायक राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है: जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के 9 सफल वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पार्टी ने 30 मई, 2023 से 30 जून, 2023 तक 'महा जनसंपर्क अभियान' का आयोजन किया। इस दौरान देश भर में 50 जनसभाएं आयोजित की गईं, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। हम यहां कुछ प्रमुख जनसभाओं के समाचार प्रकाशित कर रहे हैं—

गिरिडीह (झारखंड)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 जून, 2023 को गिरिडीह, झारखंड के ऐतिहासिक झंडा मैदान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के 9 सफल वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बाबू लाल मरांडी, श्री रघुबर दास और झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक प्रकाश एवं केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 9 वर्ष भारत के उत्कर्ष के 9 वर्ष हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की तस्वीर एवं तकदीर बदली है। आज जब हमारे प्रधानमंत्री बोलते हैं तो दुनिया सुनती है।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में 10वें स्थान पर थी, आज पांचवें स्थान पर है। रूस-यूक्रेन युद्ध और कोरोना के कारण सप्लाई चेन के प्रभावित होने के बावजूद भारत ने दुनिया में सबसे तेज गति से आर्थिक वृद्धि दर हासिल की।

> प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 9 वर्ष भारत के उत्कर्ष के 9 वर्ष हैं

उन्होंने कहा कि 2014 में झारखंड में लगभग 2,204 किलोमीटर नेशनल हाइवे था, आज 7,791 किलोमीटर नेशनल हाइवे है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड में पिछले वर्ष लगभग 16,800 करोड़ रुपये का शिलान्यास और उद्‌घाटन किया है। रांची रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास हुआ है, जेसीडी बाईपास का निर्माण हुआ है, गढ़वा में रेलवे का डबलिंग और विद्युतीकरण जैसे कार्य हो रहे हैं। लगभग एक लाख करोड़ रुपये की निधि से सड़कों का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देवघर में एम्स दिया है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकास की यात्रा को आगे बढ़ाया है, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस की सरकार ने झारखंड को पीछे धकेलने का काम किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। यह सरकार तुष्टीकरण में लगी हुई है। प्रदेश में क़ानून-व्यवस्था चरमरा गई है।

उन्होंने कहा कि संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठियों को शरण दिया जा रहा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस पार्टी इन घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। संथाल परगना में आदिवासी महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के बीते नौ साल में हम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए अग्रसर हुए हैं तथा दुनिया में भारत एक मजबूत एवं निर्णायक राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है।

भवानीपटना (ओड़िशा)

'ओड़िशा में सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है'

भवानीपटना (कालाहांडी) स्थित लाल बहादुर स्टेडियम में 22 जून, 2023 को आयोजित 'गरीब कल्याण समावेश' सभा को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने संबोधित किया। कार्यक्रम में ओड़िशा के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री मनमोहन श्यामल, केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा, ओड़िशा की प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी, केंद्रीय मंत्री श्री विश्वेश्वर टुडु, श्री जुएल उरांव, श्री केवी सिंह देव, सांसद श्री बसंत पांडा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ओडिशा में कई विकास कार्य हो रहे हैं। जगन्नाथपुरी, भुबनेश्वर, कटक के रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित किया जा रहा है। ओड़िशा में शत-प्रतिशत रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण हो गया है। जल जीवन मिशन में इस वर्ष लगभग 3.30 लाख करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। लगभग 401 करोड़ रुपये की लागत से संबलपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट का शिलान्यास किया गया है। लगभग 1582 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ सायंस एंड एजुकेशन रिसर्च की स्थापना की जा रही है। भुबनेश्वर में स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और स्किल इंडिया इंस्टीट्यूट दिया है।

> देश में सबसे कम प्रति व्यक्ति आय ओड़िशा की है। ओड़िशा के किसानों की सबसे कम आमदनी है। सबसे ज्यादा महिला उत्पीड़न और शोषण ओड़िशा में हो रहा है

उन्होंने कहा कि समझ में नहीं आ रहा है कि ओड़िशा को चला कौन रहा है? यहां नेता कौन है? ओड़िशा को नेता चला रहे हैं या अफसर? यहां तो हमारी बात छोड़िए, बीजू जनता दल के नेताओं की बात कोई नहीं सुन रहा है। नवीन बाबू ने पूरा काम अधिकारियों के हवाले कर दिया है। एक तरह से पूरा प्रशासनिक काम आउटसोर्स हो गया है। क्या ऐसी सरकार ओड़िशा में चाहिए? नहीं चाहिए, तो इन्हें हटाइए और ओड़िशा में भी कमल खिलाइए।

श्री नड्डा ने कहा कि दुःख होता है कि देश में सबसे कम प्रति व्यक्ति आय ओड़िशा की है। ओड़िशा के किसानों की सबसे कम आमदनी है। सबसे ज्यादा महिला उत्पीड़न और शोषण ओड़िशा में हो रहा है। ओड़िशा अब 50 प्रतिशत कमीशन वाला राज्य बन गया है। ओड़िशा में सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि हर ब्लॉक में कोल्ड स्टोरेज दूंगा। हर ब्लॉक में 35 प्रतिशत सिंचित भूमि कर दूंगा। ऐसा हुआ क्या? वे यहां केवल केंद्रीय योजनाओं पर अपना नाम लगा देते हैं। भाजपा कालाहांडी सहित पूरे ओड़िशा के विकास के लिए कृतसंकल्पित है।

संतिरबाजार (त्रिपुरा)

'प्रधानमंत्री मोदीजी ने पिछले 9 सालों में बदल दिया भारत का भाग्य'

केंद्र में मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 जून, 2023 को संतिरबाजार (त्रिपुरा) में एक विशाल रैली को संबोधित किया। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अभूतपूर्व विकास हुआ है, जिन्होंने पिछले नौ वर्षों में "भारत का भाग्य बदल दिया है।"

उन्होंने बुनियादी ढांचे के निर्माण, सुशासन और सर्वांगीण विकास को मोदी सरकार के मानक बताया। श्री नड्डा ने कहा, "पहले हमारा देश भ्रष्टाचार, नीतिगत पंगुता और खराब शासन व्यवस्था के लिए जाना जाता था, लेकिन अब पूरी दुनिया सर्वांगीण विकास और सुशासन के लिए देश का सम्मान करती है।"

बुनियादी ढांचे के निर्माण में केंद्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा को देखते हुए 13,125 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि 2014 से 2022 तक बुनियादी ढांचे के निर्माण पर 18 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। जहां यूपीए शासन के दौरान केवल 12 किलोमीटर सड़कों का निर्माण प्रतिदिन होता था, वहीं अब प्रतिदिन 29 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है। श्री नड्डा ने यह भी बताया कि पिछले नौ वर्षों में 74 हवाई अड्डे भी बनाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में त्रिपुरा में 300 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया गया है और प्रस्तावित भारत-बांग्लादेश रेल कनेक्टिविटी से अगरतला से कोलकाता तक यात्रा का समय 31 घंटे से घटकर 10 घंटे रह जाएगा। उन्होंने कहा, "यह मोदी सरकार की नयी विकास यात्रा की कहानी बयां करता है।"

श्री नड्डा ने कहा कि भारत की मुद्रास्फीति अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और इटली जैसे विकसित देशों की तुलना में काफी कम है।

शिवसागर (असम)

'असम तीव्र गति से विकास कर रहा है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 जून, 2023 को शिवसागर (असम) में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 9 सालों में देश को आगे बढ़ाया और दुनिया के समक्ष भारत

तांबरम (तमिलनाडु)

तमिलनाडु में लोकतंत्र नहीं है: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 20 जून, 2023 को तमिलनाडु के पूर्व बिजली मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी को 'राजनीतिक प्रतिशोध' बताने को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की आलोचना की। "स्टालिन ने सेंथिल बालाजी का बचाव किया, जिन्हें भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया था।"

यह (स्टालिन) वही व्यक्ति हैं जिन्होंने विपक्ष में रहते हुए सेंथिल बालाजी को भ्रष्ट कहा था और अब जब एक जांच एजेंसी उन्हें गिरफ्तार करती है, तो स्टालिन इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताते हैं। यह दोहरा चरित्र अस्वीकार्य है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर चेन्नई के तांबरम में आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। श्री सिंह ने कहा, "एक ट्वीट के कारण'' भाजपा के प्रदेश सचिव एसजी सूर्या की गिरफ्तारी, स्टालिन की 'लोकतंत्र के प्रति उपेक्षा' को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि स्टालिन एक 'तानाशाह' की तरह शासन कर रहे हैं और प्रदेश में लोकतंत्र नहीं है। "स्टालिन, मेरे अच्छे मित्र हैं, जिसका नाम रूस के तानाशाह स्टालिन के नाम पर रखा गया था, लेकिन, वह अब स्वयं एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं।"

श्री सिंह ने कहा कि हमारा और एआईएडीएमके का गठबंधन कई वर्षों से चल रहा है। उन्होंने कहा, अपने गठबंधन सहयोगियों का सम्मान करना गठबंधन धर्म है। रक्षा मंत्री ने कहा, "जयललिता के प्रति हमारे मन में सम्मान है जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली पहली भाजपा सरकार का समर्थन किया था और हम उनके आभारी हैं।"

श्री सिंह ने कहा, "सेन्गोल' का महत्व काफी हद तक तमिलनाडु तक ही सीमित था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'सेन्गोल' को नए संसद भवन में स्थापित कर, इसे अधिक लोकप्रिय बनाया और इसकी पहचान अब तमिलनाडु के बाहर भी हुई है।

इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अन्नामलाई ने रक्षा मंत्री को चांदी का राजदंड भेंट किया।

को एक मजबूत राष्ट्र के रुप में प्रस्तुत किया है।

श्री नड्डा ने कहा कि असम में आधारभूत संरचना के विकास की बात हो, नेशनल हाईवे, एम्स खोलने, डिब्रूगढ़ में सुपर स्पेशलिटी खोलने, नवगांव में नया मेडिकल कॉलेज खोलने या फिर यहां के चाय बागानों में मुविंग एम्बुलेंस सुविधा देने की बात हो, भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री मोदीजी और मुख्यमंत्री श्री हेमंत बिस्वा सरमाजी के नेतृत्व में असम तीव्र गति से विकास कर रहा है।

उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जहां कांग्रेस तुष्टीकरण, वोट बैंक और भ्रष्टाचार की राजनीति के साथ भाई को भाई से लड़ाने की राजनीति करती रही है, वहीं मोदीजी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास' के साथ-साथ देश की संस्कृति को सम्मान देने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने असम की संस्कृति की रक्षा करने वाले भूपेन हजारिकाजी और बाड़दोलीजी को भारत रत्न से सम्मानित किया है। समाज सुधारक शंकर देवजी को किसी ने याद किया तो वह भी हमारी सरकार ने किया। पिछले 9 सालों में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण से असम की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल गई है।

होशियारपुर (पंजाब)

'मोदीजी ने ऐसे कड़े फैसले लिए जिसने देश की तस्वीर बदली'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 जून, 2023 को होशियारपुर (पंजाब) में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अश्विनी कुमार शर्मा, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री सोम प्रकाश, राष्ट्रीय सचिव श्री रवींद्र रैना, कार्यसमिति सदस्य एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री सुनील जाखड़, श्री सुभाष बराला, श्री मनप्रीत सिंह बादल, श्री गुरमीत सिंह सोढ़ी, श्री मनोरंजन कालिया, श्री अविनाश राय खन्ना और सरदार जसप्रीत सिंह ढिल्लों सहित पार्टी के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता

उपास्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि बीते 9 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सशक्त, समृद्ध और प्रगतिशील भारत दुनिया के सामने प्रतिष्ठित हुआ है। उन्होंने ऐसे कड़े फैसले लिए जो देश के लिए जरूरी थे, जिसने देश की तस्वीर बदली। बीते 9 वर्षों में लगभग 3 लाख किमी से अधिक ग्रामीण सड़कें बनी, पांच लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर बने, लाखों किमी ऑप्टिकल फाइबर का जाल बिछा, 80 करोड़ लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ मिला, 10 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है, लगभग 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ मिला, बिजली से वंचित तीन करोड़ से अधिक घरों में बिजली पहुंची, उज्ज्वला योजना के तहत 9.5 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किये गए, 11 करोड़ से अधिक शौचालय बनाये गए और 12 करोड़ से अधिक नल से जल कनेक्शन वितरित किये गए। इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक लाख करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं।

कुल्लू (हिमाचल प्रदेश)

'मेक इन इंडिया के तहत अब भारत अब लगातार आगे बढ़ रहा है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 जून, 2023 को कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) में विशाल जनसभा को संबोधित किया और बीते 9 साल को भारत के विकास एवं प्रगति के लिए ऐतिहासिक बताया। कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह, प्रदेश अध्यक्ष श्री राजीव बिंदल, पार्टी के कई विधायक, पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री उपस्थित थे।

भारत के विकास की कहानी को रेखांकित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि कोरोना काल में जिस तरह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लड़ाई लड़ी, वह बेमिसाल था। देश का डिफेंस प्रोडक्शन एक लाख करोड़ रुपये का हो गया है। डिफेंस एक्सपोर्ट में कमी आई है। बॉर्डर पर लगभग 13,525 किमी सड़क बनी है, लगभग 70,500 करोड़ रुपये का डिफेंस इक्विपमेंट भारत में बनना शुरू हुआ। 'मेक इन इंडिया' के तहत अब भारत अब लगातार आगे बढ़ रहा है।

बीते 9 वर्षों में लगभग 3 लाख किमी से अधिक ग्रामीण सड़कें बनी, पांच लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर बने, लाखों किमी ऑप्टिकल फाइबर का जाल बिछा, 80 करोड़ लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ मिला, 10 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है, लगभग 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ मिला

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डीबीटी के माध्यम से अब तक लगभग 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभार्थियों के बैंक एकाउंट में ट्रांसफर की है और अब तक लगभग दो लाख करोड़ रुपये के लीकेज को रोका है। 10 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। पीएम आवास योजना में देश भर में लगभग तीन करोड़ घर मिले, जबकि हिमाचल प्रदेश में भी लगभग 28 हजार घर मिले हैं। जल जीवन मिशन के तहत देश में लगभग 12 करोड़ से अधिक कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि 9.2 लाख कनेक्शन हिमाचल में भी दिया गया है। आयुष्मान भारत और हिमकेयर से हिमाचल प्रदेश में लगभग सभी लोगों को स्वास्थ्य कवच मिला है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ लगभग 80 करोड़ लोगों को मिल रहा है। हिमाचल में भी लगभग 28 लाख 60 हजार किसानों को इसका लाभ मिल रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकारों में एक योजना का शिलान्यास होता था और आधी जिंदगी निकल जाती थी, काम पूरा नहीं होता था। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में एक ही कार्यकाल में शिलान्यास भी होता है और उद्घाटन भी।

सिरसा (हरियाणा)

भाजपा सरकार ने गरीब कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को जमीन पर उतारा : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 18 जून, 2023 को सिरसा (हरियाणा) में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और बीते 9 साल में देश की विकास यात्रा को उपलब्धियों भरा ऐतिहासिक करार दिया। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश के गृह मंत्री श्री अनिल विज, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा के भाजपा प्रभारी श्री विप्लब देब सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, सांसद एवं विधायक उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश में और हरियाणा में कांग्रेस की सरकार कई वर्षों तक रही, लेकिन किसी कांग्रेस सरकार ने किसानों के खाते में सालाना 6,000 रुपये नहीं भेजे। ये काम मोदी सरकार ने किया। भाजपा की मनोहर लाल खट्टर सरकार भावांतर योजना लेकर आई। हुड्डा साहब 10 साल तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे किंतु वे भावांतर जैसी योजना नहीं ला पाये। उन्होंने फसल परिवर्तन के लिए भी कोई काम नहीं किया। कांग्रेस की भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार थ्री 'D' सरकार

थी। श्री डी का मतलब है— दरबारी की सरकार, दामाद की सरकार और डीलरों की सरकार। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने इन तीनों 'D' को समाप्त किया है। हमारे मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर पूरे हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं जबकि पहले जो मुख्यमंत्री होते थे, वे सिर्फ रोहतक के मुख्यमंत्री होते थे। मनोहर लाल खट्टरजी ने श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की सभी गरीब कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को जमीन पर उतारा है और पूरे हरियाणा का विकास किया है।

श्री शाह ने कहा कि हरियाणा में 20 लाख किसानों को पीएम किसान समान निधि का लाभ मिल रहा है। जल जीवन मिशन के तहत लगभग 30 लाख लोगों के घर में नल से जल पहुंचाया जा रहा है। प्रदेश में आयुष्मान भारत के लाभार्थी 82 लाख हैं। लगभग 7.5 लाख शौचालय बने हैं। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग 1.30 करोड़ लोगों को प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलो मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 75 हजार से ज्यादा घर बनाए गए हैं।

विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)

'जगन मोहन रेड्डीजी के शासनकाल में वाइजैग असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 11 जून, 2023 को विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश के वॉल्टेयर रेलवे ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद श्री वी मुरलीधरन, पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी, अविभाजित आंध्र प्रदेश के अंतिम मुख्यमंत्री श्री किरण कुमार रेड्डी, राष्ट्रीय मंत्री श्री सुनील देवधर, राज्य सभा सांसद श्री जीवीएल नरसिम्हा राव और श्री सी एम रेड्डी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार के 10 सालों में लगभग 12 लाख करोड़ रुपये के घपले-घोटाले हुए, लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा। यहां वाईएसआर की जगन मोहन रेड्डी सरकार चल रही है और इस सरकार ने चार साल में भ्रष्टाचार, घपले-घोटाले के अलावा कुछ भी नहीं किया है। जगन मोहन रेड्डीजी के शासनकाल में वाइजैग असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है। भूमि घोटाला, रेत खनन घोटाला, नकली दवाओं का व्यापार सत्ताधारी पार्टी के संरक्षण में हो रहा है।

जगन मोहन रेड्डी सरकार पर हमलावर होते हुए श्री शाह ने कहा कि जगन मोहन रेड्डी की सरकार किसानों की हितैषी सरकार होने का दावा कर रही है, लेकिन देश में किसानों की आत्महत्या में आंध्र प्रदेश आज तीसरे स्थान पर है। जगन मोहन रेड्डीजी, आपको शर्म आनी चाहिए। देश के 10 करोड़ से अधिक किसानों को हर साल पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 6-6 हजार रुपये सीधे उनके बैंक एकाउंट में भेजे जाते हैं और यहां के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी, मोदीजी की इस योजना को रायतु भरोसा स्कीम नाम देकर इसे अपनी योजना बता रहे हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले नौ साल में गरीबों के लिए कई काम किए हैं। हर गरीब को पक्का घर दिया है। उज्जवला योजना के तहत 9.5 करोड़ गरीब महिलाओं को गैस सिलिंडर दिया है। प्रधानमंत्रीजी ने 10 करोड़ से ज्यादा गरीबों के घर में आजादी के 70 साल बाद पहली बार शौचालय पहुंचाया है। सौभाग्य योजना के माध्यम से हर घर में बिजली पहुंची है। प्रधानमंत्रीजी ने देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का कवच दिया है। प्रधानमंत्रीजी ने धान की एमएसपी 1,400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,060 रुपये तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्रीजी ने 220 करोड़ मुफ्त कोविड-रोधी डोज देशवासियों को सुरक्षित किया है। ■

प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त युवाओं को लगभग 70,000 नियुक्ति पत्र किए वितरित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 जून को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया तथा विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त युवाओं को लगभग 70,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चयनित युवा वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, रेल मंत्रालय, लेखा परीक्षण और लेखा विभाग, गृह मंत्रालय आदि विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त होंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान देश भर के 43 स्थानों को मेले से जोड़ा गया था।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय रोज़गार मेला वर्तमान सरकार की नई पहचान बन गया है, क्योंकि आज 70,000 से अधिक व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भाजपा और एनडीए शासित राज्य भी नियमित रूप से इस प्रकार के रोजगार मेले आयोजित कर रहे हैं।

यह देखते हुए कि आजादी का अमृत काल अभी शुरू हुआ है श्री मोदी ने कहा कि यह उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण है, जो सरकारी सेवा में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि उनके पास अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान के साथ-साथ आपको देश के भविष्य के लिए भी सब कुछ देना चाहिए। श्री मोदी ने इस अवसर पर नवनियुक्त युवाओं और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था में रोजगार और स्वरोजगार के उभरते अवसरों के बारे में बात की। उन्होंने मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब ये युवा नौकरी देने वाले बन रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का अभियान अभूतपूर्व है। एसएससी, यूपीएससी और आरआरबी जैसे संस्थान नई व्यवस्था के साथ ज्यादा नौकरियां दे रहे हैं। ये संस्थान भर्ती प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और आसान बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती-अवधि 1-2 साल से घटकर कुछ महीने की रह गयी है।

उल्लेखनीय है कि रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोजगार मेले से आगे के रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने और युवाओं को उनके सशक्तीकरण तथा राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने की उम्मीद की जाती है।

नई शामिल की गई भर्तियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर एक ऑनलाइन मॉड्यूल कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का भी एक अवसर प्राप्त हो रहा है, जहां 400 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम 'कहीं भी किसी भी डिवाइस' सीखने के प्रारूप के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। ■

समस्त कोयला भंडार की स्थिति 44.22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 110.58 मिलियन टन तक पहुंच गई

कोयला मंत्रालय का 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना के अनुरूप राष्ट्र की विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित है। कोयला मंत्रालय सक्रिय रूप से कोयला उत्पादन बढ़ाने और सभी हितधारकों को कुशल परिवहन के माध्यम से कोयले के आपूर्ति करने की दिशा में काम कर रहा है।

13 जून, 2023 को खानों, टेरा पावर प्लांट सिस्टम्स (टीपीपी) और ट्रांजिट में कुल कोयला भंडार की स्थिति 110.58 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गई, जो पिछले साल के 76.67 मिलियन टन (एमटी) के भंडार की तुलना में 44.22 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित करता है। यह उच्च कोयला भंडार की स्थिति कोयला मंत्रालय द्वारा कोयले की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

इसके अतिरिक्त इस महीने की 13 तारीख को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में पिथेड कोयले का भंडार 59.73 मीट्रिक टन (एमटी) है, जो 13.06.2022 को 47.49 मीट्रिक टन (एमटी) के भंडार की तुलना में 25.77 प्रतिशत की वृद्धि दर प्रदर्शित करता है। यह ऊपर की प्रवृत्ति प्रभावी भंडार प्रबंधन रणनीतियों और परिचालन दक्षता को रेखांकित करती है।

साथ ही, बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति के संदर्भ में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 13.06.2023 की स्थिति के अनुसार संचयी उपलब्धि 164.84 मीट्रिक टन है, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.11 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर दर्ज करती है, जो 13.06.2022 को 156.83 मीट्रिक टन था, इससे बिजली क्षेत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोयले की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होती है। ■

वित्त वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष करों के सकल संग्रह में 12.73% की हुई भारी वृद्धि

वित्त वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष करों का शुद्ध संग्रह 11.18% से भी अधिक बढ़ा तथा वित्त वर्ष 2023-24 में 17 जून, 2023 तक अग्रिम कर संग्रह 1,16,776 करोड़ रुपये का हुआ, जो 13.70% की वृद्धि दर्शाता है

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा 18 जून को जारी एक बयान के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (रिफंड के समायोजन से पहले) पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 3,71,982 करोड़ रुपये की तुलना में 4,19,338 करोड़ रुपये का हुआ, जो कि वित्त वर्ष 2022-23 में हुए संग्रह की तुलना में 12.73% की वृद्धि दर्शाता है।

4,19,338 करोड़ रुपये के सकल संग्रह में 1,87,311 करोड़ रुपये का कॉरपोरेशन टैक्स (सीआईटी) और प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) सहित 2,31,391 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल है। लघु मद वार संग्रह में 1,16,776 करोड़ रुपये का अग्रिम कर; 2,71,849 करोड़ रुपये का टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती); 18,128 करोड़ रुपये का स्व-आकलन कर; 9,977 करोड़ रुपये का नियमित आकलन कर शामिल है और अन्य छोटे मदों के तहत 2,607 करोड़ रुपये का कर संग्रह शामिल है।

वित्त वर्ष 2023-24 में 17 जून, 2023 तक के प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़ों से पता चलता है कि शुद्ध संग्रह 3,79,760 करोड़ रुपये का हुआ, जबकि पिछले वित्त वर्ष यानी वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में यह 3,41,568 करोड़ रुपये था, जो कि 11.18% की वृद्धि दर्शाता है।

3,79,760 करोड़ रुपये के शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में 1,56,949 करोड़ रुपये का कॉरपोरेशन टैक्स (सीआईटी) (रिफंड के समायोजन के बाद) और प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) सहित 2,22,196 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) (रिफंड के समायोजन के बाद) शामिल है।

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 17 जून, 2023 तक अग्रिम कर संग्रह 1,16,776 करोड़ रुपये का हुआ, जबकि इससे ठीक पहले वाले वित्त वर्ष यानी 2022-23 की इसी अवधि में अग्रिम कर संग्रह 1,02,707 करोड़ रुपये का हुआ था, जो कि 13.70% की वृद्धि दर्शाता है। 17 जून, 2023 तक हुए 1,16,776 करोड़ रुपये के अग्रिम कर संग्रह में 92,784 करोड़ रुपये का कॉरपोरेशन टैक्स (सीआईटी) और 23,991 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में 17 जून, 2023 तक 39,578 करोड़ रुपये के रिफंड भी जारी किए गए, जो कि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि के दौरान जारी किए गए 30,414 करोड़ रुपये के रिफंड की तुलना में 30.13% अधिक है। ■

घरेलू एयरलाइनों में सफर करने वाले यात्रियों में 36.10 प्रतिशत की हुई वार्षिक वृद्धि

घरेलू एयरलाइनों में जनवरी-मई 2023 के दौरान 636.07 लाख यात्रियों ने सफर किया और अप्रैल, 23 की तुलना में मई, 23 में समग्र यात्री वृद्धि 3.26 लाख (2.52 प्रतिशत) से अधिक रही

देश के नागर विमानन क्षेत्र ने प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, क्योंकि घरेलू एयरलाइनों में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई। विभिन्न घरेलू एयरलाइनों द्वारा उपलब्ध कराए गए यातायात आंकड़ों के आधार पर जनवरी-मई 2023 के दौरान यात्रियों की संख्या 636.07 लाख के प्रभावशाली स्तर तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 36.10 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यात्रियों की संख्या 467.37 लाख रही थी।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 16 जून को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मई, 2022 के दौरान यात्रियों की संख्या 114.67 लाख रही थी, जो मई, 2023 में बढ़कर 132.41 लाख हो गई। इस प्रकार मासिक दर मासिक 15.24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। यात्रियों की संख्या में हो रही लगातार वृद्धि एक सुरक्षित, कुशल, ग्राहक केंद्रित, विमानन इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में एयरलाइंस, हवाई अड्डों और नागर विमानन मंत्रालय के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है।

अप्रैल, 2023 की तुलना में मई, 2023 में यात्रियों की कुल संख्या में 3.26 लाख (2.52 प्रतिशत) की वृद्धि दर्ज हुई।

यात्रियों की संख्या में हुई उल्लेखनीय वृद्धि भारत के विमानन क्षेत्र की ताकत और मजबूती को दर्शाती है। यह कनेक्टिविटी को बेहतर करने और देश के नागरिकों को सुविधाजनक यात्रा का विकल्प उपलब्ध कराने के लिए किए गए निरंतर प्रयासों को भी दर्शाती है। जनवरी से मई, 2023 के दौरान 636.07 लाख यात्रियों की भारी संख्या का बोझ हवाई यात्रा की बढ़ती हुई मांग को दर्शाता है और यह विमानन उद्योग की अनुकूल दिशा में बढ़ने का भी सूचक है। ■

'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार ने लिए पांच और महत्वपूर्ण निर्णय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार ने आठ जून को पांच और महत्वपूर्ण निर्णय लिए। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की केन्द्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री श्री मनसुख एस. मांडविया के साथ नई दिल्ली में हुई बैठक में यह निर्णय किये गए।

बैठक में लिए गए यह 5 महत्वपूर्ण निर्णय निम्न हैं:

- देशभर में लगभग एक लाख प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियां मौजूद हैं। मैपिंग के आधार पर उर्वरक खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य नहीं कर रहीं प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) की पहचान की जाएगी और व्यवहार्यता के आधार पर उन्हें चरणबद्ध तरीके से खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- जो पैक्स अभी प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों के रूप में कार्य नहीं कर रही हैं, उन्हें प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों के दायरे में लाया जाएगा।
- जैविक उर्वरकों विशेष रूप से फर्मेंटेड जैविक खाद/तरल फर्मेंटेड जैविक खाद/फॉस्फेट समृद्ध जैविक खाद के विपणन में पैक्स को जोड़ा जाएगा।
- उर्वरक विभाग की मार्किट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजना के तहत उर्वरक कंपनियां छोटे बायो-ऑर्गेनिक उत्पादकों के लिए एक एग्रीगेटर के रूप में कार्य कर अंतिम उत्पाद का विपणन करेंगी, इस आपूर्ति और विपणन श्रृंखला में थोक/खुदरा विक्रेताओं के रूप में पैक्स को भी शामिल किया जाएगा।
- उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए पैक्स को ड्रोन उद्यमियों के रूप में भी कार्यरत किया जा सकेगा, साथ ही ड्रोन का उपयोग संपत्ति सर्वेक्षण के लिए भी किया जा सकता है।

इन महत्वपूर्ण निर्णयों से प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कार्य क्षेत्रों में विस्तार होगा जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के भी अवसर बढ़ेंगे और किसानों को उर्वरक, कीटनाशक, बीज तथा कृषि मशीनरी आदि स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी। ■

खरीफ विपणन सत्र 2022-23 के दौरान की गई 830 एलएमटी धान की खरीद

गेहूं और धान की संयुक्त खरीद के लिए एमएसपी भुगतान पिछले साल के लिए कुल भुगतान 2,05,896 करोड़ रुपये के मुकाबले 2,26,829 करोड़ रुपये किया गया

खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2022-23 के दौरान भारत सरकार द्वारा धान की खरीद सुचारू रूप से चल रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) संचालन के तहत 19.06.2023 तक केंद्रीय पूल के लिए 830 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) से अधिक धान की खरीद की गई। केएमएस 2022-23 के चल रहे धान खरीद कार्यों से अब तक 1.22 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं और एमएसपी आउटफ्लो के साथ 1,71,000 करोड़ रुपये सीधे उनके खातों में स्थानांतरित किए गए।

केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परेशानी मुक्त खरीद संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं की जायें। खरीदे गए धान के बदले चावल की डिलीवरी भी प्रगति पर है और 830 एलएमटी धान (चावल के संदर्भ में 558 एलएमटी) की खरीद के बदले केंद्रीय पूल में लगभग 401 एलएमटी चावल 19.06.2023 तक प्राप्त किया गया है और 150 एलएमटी अभी तक प्राप्त होना बाकी है।

चालू रबी मार्केटिंग सीजन (आरएमएस) 2023-24 के दौरान गेहूं की खरीद भी सुचारू रूप से चल रही है। मौजूदा सीजन में 19.06.2023 तक गेहूं की प्रोग्रेसिव खरीद 262 एलएमटी है जो पिछले साल की कुल खरीद 188 एलएमटी से 74 एलएमटी अधिक है। पहले ही चल रहे गेहूं खरीद कार्यों से एमएसपी आउट फ्लो लगभग रु. 55,680 करोड़ रुपये के साथ लगभग 21.29 लाख किसान लाभान्वित हो चुके हैं। खरीद में प्रमुख योगदान तीन खरीददार राज्यों पंजाब, मध्य प्रदेश और हरियाणा से क्रमशः 121.27 एलएमटी, 70.98 एलएमटी और 63.17 एलएमटी की खरीद के साथ आया है।

गेहूं और धान की संयुक्त खरीद के लिए एमएसपी भुगतान पिछले साल के लिए कुल भुगतान 2,05,896 करोड़ रुपये के मुकाबले 2,26,829 करोड़ रुपये किया गया।

गेहूं और चावल की वर्तमान खरीद के साथ सरकारी अनाज में पर्याप्त खाद्यान्न भंडार बनाए रखा गया है। गेहूं और चावल का संयुक्त स्टॉक 570 एलएमटी तक पहुंच गया है, जो देश को खाद्यान्न की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक आरामदायक स्थिति में रखता है। ■

सांस्कृतिक गौरव प्रतिष्ठा का महापर्व

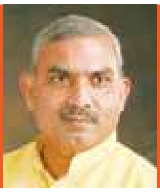

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ता विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से 'महा जनसंपर्क अभियान' चलाकर इस महापर्व को मना रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी जनसभाओं, प्रतिष्ठित नागरिक संपर्क, प्रबुद्ध एवं व्यापारी सम्मेलन, लाभार्थी संपर्क एवं कार्यकर्ताओं की सक्रियता के लिए अनेक उपक्रम इस एक माह की अवधि में ले रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सभी सदस्य, राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित सभी सांसद, विधायक इस महा जनसम्पर्क अभियान की सफलता के लिए सक्रिय हैं।

9 वर्षों की कालावधि में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की सफलताएं अतुलनीय हैं। गरीबों के कल्याण की अनेक योजनाएं, विकसित होता विश्वस्तरीय ढांचागत विकास, अंतर्बाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति एवं विश्व में भारत के सम्मान जैसे अनेक क्षेत्रों में सभी मंत्रालयों ने कीर्तिमान बनाया है। नई शिक्षा नीति को लागू करना, विदेशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापिस स्वदेश लाना जैसे सभी उपक्रमों ने प्रत्येक भारतीय के मस्तक को ऊंचा करने का कार्य किया है। आर्थिक प्रगति के आधार के साथ–साथ 9 वर्ष का यह कालखंड भारत के सांस्कृतिक गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा के रूप में इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

जब विदेशी आक्रान्ताओं ने भारत पर आक्रमण कर भारत को पददलित करने का घृणित कार्य किया था, आस्था एवं श्रद्धा के स्थानों को खंडित किया तब भारत की आत्मा चीत्कार कर उठी थी। ऐसे समय में भारत के स्वाभिमान को जागृत करने उसका सांस्कृतिक गौरव पुनः प्रतिष्ठित करने का महान कार्य 17 वीं शताब्दी में महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने किया था। भारत के सभी प्रसिद्ध तीर्थों पर मंदिर निर्माण, नदी किनारे घाट, यात्रियों के लिए कुएं एवं प्याऊ, मंदिरों में विद्वानों की नियुक्ति, शास्त्रों के अध्ययन की व्यवस्था आदि कार्य इस दिशा में उनकी अनुकरणीय पहल थी। भगवान केदारनाथ, काशी विश्वनाथ मंदिर जैसे अनेक स्थान आज भी उनकी गौरव गाथाएं कह रहे हैं। उसी प्रकार स्वतंत्रता के पश्चात गुजरात के सोमनाथ मंदिर के समान सभी गुलामी के प्रतीकों से भारत मुक्त होना चाहिए था, लेकिन तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भारतीय स्वाभिमान को कुचलने का कार्य ही चलता रहा। हिन्दू स्वाभिमान को कुचलना एवं अल्पसंख्यक तुष्टीकरण ही धर्मनिरपेक्षता की पहचान बन गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पक्षपात रहित विकास के साथ–साथ भारत के सांस्कृतिक गौरव को भी पुनर्प्रतिष्ठित करने का महान कार्य किया है जो कि 17 वीं शताब्दी के बाद इतिहास में महारानी अहिल्याबाई के समान है। उनका नाम भी गौरव के साथ लिया जायेगा।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम का मंदिर अपने भव्य स्वरूप में बनकर तैयार हो रहा है। शीघ्र ही प्रभु श्रीराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा वहां होगी। केवल मंदिर ही नहीं समस्त अयोध्या ही सम्पूर्ण विश्व के लिए पवित्र एवं दर्शनीय हो रही है। भगवान् विश्वनाथ की नगरी में काशीनाथ लोक अपनी भव्यता का वर्णन कर रहा है। मंदिर प्रांगण से मां गंगा के भव्य दृश्य का अवलोकन मनमोहक हो गया है। हिमालय स्थित केदारपुरी के दर्शन जीवन की सत्यता का आभास कराते हैं। जगद्गुरु शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा देश की एकात्मता का दर्शन कराती है। वहां पर ध्यानस्थ प्रधानमंत्री जी की गुफा पवित्र स्थल हो गयी है। उज्जैन स्थित महाकाल लोक ने तीर्थ यात्रियों के समस्त पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त करके अपनी भव्यता का नया कीर्तिमान बनाया है।

आदि जगद्गुरु शंकराचार्य जी द्वारा स्थापित 2400 वर्ष पुराना शारदा पीठ जो नियंत्रण रेखा के निकट कुपवाड़ा जिले में स्थित है, वहां 70 वर्षों के बाद मां शारदा मंदिर के कपाट खुलकर पूजा प्रारंभ हो गई है। गुजरात के पावागढ़ में स्थित महाकाली मंदिर में 500 वर्षों बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धर्म ध्वजा को लहराया। कावड़ यात्रा पर पुष्प वर्षा, कुम्भ मेले की भव्यता, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षितता सभी तीर्थ यात्रियों में विश्वास का निर्माण कर रहे हैं। शंकराचार्य जी की स्मृति में मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर का अद्वैत केंद्र भव्य आकार लेने की ओर अग्रसर है।

अपने वैश्विक प्रवास में भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के तोजी बौद्ध मंदिर, किनकाकु मंदिर, मॉरीशस के शिव मंदिर, लंका के नागुलेश्वम मंदिर, महाबोधि मंदिर, कनाडा के प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर, गुरुद्वारा खालसा दीवान, बांग्लादेश के दक्षिणेश्वर मंदिर, म्यामार के आनंद मंदिर, नेपाल में पशुपतिनाथ में चन्दन की लकड़ी का भेंट एवं जनकपुर में जगत्जननी मां सीता के मंदिर के दर्शन, ओमान एवं मस्कट के प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन किए। दुबई में मंदिर निर्माण को उन्होंने दो देशों के मध्य सद्भाव सेतु का कार्य करने वाला बताया। अफगानिस्तान से पवित्र गुरु ग्रन्थ साहिब की सुरक्षित वापसी के प्रयासों ने विश्व भर में फैले सिख समाज में अपने सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था व्यक्त की है। विश्व भर से आए राजनयिकों को कर्म की प्रेरणा देने वाली गीता देकर स्वागत सराहनीय प्रयास है।

प्रधानमंत्री जी द्वारा भगवान् बिरसा मुंडा के जन्मदिवस पर जनजाति गौरव दिवस की घोषणा, महान संत कबीरदास जी पुण्य स्थली का दर्शन, संत रविदास जी के मंदिर में पूजा-अर्चना, पवित्र गुरुद्वारे में मत्था टेकना एवं लंगर वितरण, पंढरपुर में भक्त वेश में उपस्थिति, भगवान् महात्मा बुद्ध, महान संत शंकरदेव का पुण्य स्मरण जैसे अनेक प्रयास, देश, धर्म, संस्कृति एवं समाज सुधार के लिए अपना जीवन लगाने वाले महापुरुषों के प्रति सहज ही समाज को प्रेरणा देते हैं।

सम्पूर्ण विश्व के कल्याण के लिए देने योग्य अमूल्य धरोहर योग एवं आयुर्वेद की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए भी उनके प्रयास सराहनीय है। योग आज सम्पूर्ण विश्व के लिए आकर्षण का विषय है। स्वस्थ एवं संयमित जीवन का आधार योग बना

शेष पृष्ठ 30 पर...

मोदी स्टोरी

मोदीजी का दिव्यांगजन से वादा

—डॉ. रमापति राम त्रिपाठी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में विकलांग व्यक्तियों के लिए 'विकलांग' के बजाय 'दिव्यांग' शब्द का उपयोग करने का सुझाव दिया था। इस पर कई लोगों का यह मानना हो सकता है कि यह केवल एक अलग शब्द का उपयोग है, लेकिन शब्दों में हर चीज को प्रभावित करने की अनंत शक्ति होती है। हम अब बदलाव देख सकते हैं। यह दिव्यांग लोगों के प्रति प्रधानमंत्री श्री मोदी की करुणा और भाव को भी दर्शाता है।

हालांकि, दिव्यांग लोगों के प्रति प्रधानमंत्री श्री मोदी का रवैया उनके शुरुआती दिनों में भी ऐसा ही था। उनके प्रारंभिक जीवन में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां उन्होंने किसी दिव्यांग व्यक्ति की देखभाल या मदद की। यहां 90 के दशक का एक किस्सा याद आता है, जब श्री मोदी ने एक दिव्यांग से किया वादा पूरा किया।

1999 के आम चुनावों के दौरान श्री नरेन्द्र मोदी पार्टी के काम के लिए लखनऊ आए थे। एक बार वह किसी कार्यक्रम के लिए कार से जा रहे थे। गेट पर एक दिव्यांग खड़ा था। जैसे ही वह गेट पार कर रहा था, पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिव्यांग व्यक्ति को गेट के एक तरफ खड़ा कर दिया और गाड़ी पार हो गई, लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना को देख लिया।

उन्होंने कार रोकी और उसमें से निकलकर उस दिव्यांग शख्स के पास आए। श्री मोदी ने उससे आने का कारण पूछा। दिव्यांग व्यक्ति ने उनसे कहा कि उसे ट्राइसाइकिल की जरूरत है और इसीलिए वह आया है।

श्री नरेन्द्र मोदी के साथ डॉ. रमापति राम त्रिपाठी भी मौजूद थे, जो उत्तर प्रदेश के देवरिया से लोकसभा सांसद थे।

श्री मोदी ने डॉ. त्रिपाठी की ओर देखते हुए उनसे उस दिव्यांग व्यक्ति के लिए ट्राइसाइकिल की व्यवस्था करने का आग्रह किया। डॉ. त्रिपाठी ने उनसे अपना नाम और पता कार्यालय में लिखवाने को कहा और मोदीजी को उनकी मदद करने का आश्वासन दिया।

इस घटना के दो महीने बाद श्री नरेन्द्र मोदी पुनः लखनऊ गये। एक शाम जब वह नेताओं के साथ पार्टी कार्यों पर चर्चा कर रहे थे, तो उन्होंने डॉ रमापति राम त्रिपाठी से पूछा कि क्या उस दिव्यांग व्यक्ति के लिए ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई थी। दरअसल उस घटना के बाद डॉ. त्रिपाठी इस पर फॉलो-अप करना भूल गए थे।

अगली सुबह डॉ. त्रिपाठी उस दिव्यांग व्यक्ति के पास गये और उसे श्री नरेन्द्र मोदी के पास ले गये। डॉ. त्रिपाठी ने मोदीजी से कहा कि यह वह व्यक्ति है और आप देख सकते हैं कि वह ट्राइसाइकिल चला रहा है।

इस घटना के बारे में बताते हुए डॉ. रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि जब वह इस घटना को भूल गए थे, तब भी श्री नरेन्द्र मोदी को महीनों बाद इसकी याद आई और उन्होंने दिव्यांगों से किया अपना वादा निभाया। इससे पता चलता है कि दिव्यांगों के लिए उनके दिल में कितनी करुणा है। ■

पृष्ठ २१ का शेष...

है। 21 जून योग दिवस सम्पूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित हुआ है। एक अनुमान के अनुसार विश्वभर में 30 करोड़ लोग अब योग का अभ्यास करते हैं। वेलनेस एवं फिटनेस सेक्टर में आई तेजी का कारण भी योग ही है। गंगा की पवित्रता के प्रयासों के प्रति सक्रियता, जापान के प्रधानमंत्री जी द्वारा मां गंगा की आरती ने सभी गंगा प्रेमियों को गंगा सहित सभी नदियों की स्वच्छता एवं जल के प्रति पवित्र दृष्टि प्रदान की है। भारत की पवित्र नदी गंगा की सेहत सुधारने के उद्देश्य वाली परियोजना दुनियाभर की उन 10 बड़ी महत्वपूर्ण पहलों में से एक है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने प्राकृतिक दुनिया को बहाल करने में उनकी भूमिका के लिए पहचाना है। आयुर्वेद का बजट बढ़ाकर आयुर्वेद की वृद्धि के प्रयास हो रहे हैं। अब हमारा आयुष मंत्रालय का बजट 3050 रुपए करोड़ है। विश्व के आठ देशों में 50 से अधिक आयुर्वेदिक उत्पाद रजिस्टर्ड हुए हैं। दुनिया का डब्ल्यू. एच.ओ. द्वारा मान्यता प्राप्त पहला केंद्र डब्ल्यू.एच.ओ. ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन जामनगर गुजरात में प्रारंभ हुआ है।

भारत से चोरी करके ले जायी गयी भारतीय स्वाभिमान की प्रतीक भारतीय धरोहर को वापसी लाने का प्रयास भी उल्लेखनीय हैं। 1976 से 2013 तक कुल 13 वस्तुएं वापिस आयी थीं, जबकि 2014 के उपरांत अब तक 235 भारतीय धरोहर की प्रतीक वस्तुओं की वापसी हुई है। यह विश्व भर में बढ़ते भारत के प्रभाव का लक्षण है। सेंगोल की संसद में प्रतिष्ठा ने प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित किया है।

हम हमारी संस्कृति के माध्यम से दुनिया को भोग रहित त्याग केन्द्रित जीवन शैली, संघर्ष के स्थान पर समन्वय, घृणा के स्थान पर प्रेम, सहकार एवं सहिष्णुता जैसे गुण दे सकते हैं। स्वामी विवेकानंद के अमेरिकी भाषणों एवं समस्त आध्यात्मिक संतों के प्रवचन का सार भी यही है। प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा किया गया सांस्कृतिक जागरण का यह प्रयास इस दिशा में एक अनुकरणीय सार्थक पहल है। जिसने प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया है। ■

लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) हैं

आधुनिक भारत के निर्माता डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी

-विकास आनंद

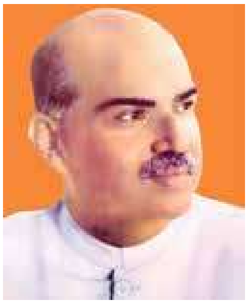

आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी का जन्म 6 जुलाई, 1901 को हुआ था। उनके पिता का नाम सर आशुतोष मुकर्जी था। डॉ. मुकर्जी ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। डॉ. मुकर्जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वह एक शिक्षाविद्, बैरिस्टर, राजनीतिज्ञ और सर्वोत्कृष्ट मानवतावादी थे। अपनी कड़ी मेहनत और अकादमिक उत्कृष्टता के कारण वह 33 साल की उम्र में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने, यह शायद अकादमिक इतिहास में पहला उदाहरण था।

कॉलेज में एक छात्र के रूप में उनकी इच्छा एक पत्रकार बनने की थी, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, उनकी रुचि राजनीति में बढ़ती गयी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर का भारत में पूर्ण एकीकरण करने के उद्देश्य के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया।

अपने विचारों और गुणों के कारण डॉ. मुकर्जी ने महात्मा गांधी का ध्यान आकर्षित किया। वह डॉ. मुकर्जी से इतने प्रभावित हुए कि जब 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद हुआ, तो महात्मा गांधी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू पर आजादी के बाद गठित पहले मंत्रिमंडल में अन्य लोगों के अलावा दो लोगों को शामिल करने के लिए दबाव डाला। जिसमें एक डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी और दूसरे डॉ. बी.आर. अम्बेडकर थे। दिलचस्प बात यह है कि दोनों कांग्रेस पार्टी के सदस्य नहीं थे। पंडित नेहरू ने डॉ. मुकर्जी को वाणिज्य और उद्योग विभाग का दायित्व दिया। नेहरू के मंत्रिमंडल में एक मंत्री के रूप में उन्होंने एक ऐसे अमिट छाप छोड़ी, जिसने नए स्वतंत्र देश के औद्योगीकरण की मजबूत नींव रखी। उन्होंने देश को तेजी से औद्योगीकरण की ओर ले जाने का निर्णय लिया।

एक मंत्री के रूप में अपनी प्रभावशीलता के बावजूद डॉ. मुकर्जी ने शरणार्थी समस्याओं, कश्मीर मुद्दे से निपटने और पाकिस्तान के क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें एहसास हुआ कि वह अब नेहरू की सरकार में काम करना संभव नहीं है और वह उन नीतियों के साथ आगे नहीं बढ़ सकते, जो उनके विचार, देश के सर्वोत्तम हित में नहीं थीं। अंततः 8 अप्रैल, 1950 को उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया।

डॉ. मुकर्जी ने 'दो विधान, दो निशान और दो प्रधान' के खिलाफ प्रजा परिषद् के सत्याग्रह का समर्थन किया। उन्होंने इस मुद्दे को देश की जनता तक पहुंचाया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में प्रजा परिषद् के आंदोलन के लिए समर्थन जुटाने के लिए देश भर में सार्वजनिक बैठकें आयोजित कीं

नेहरू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने आरएसएस की मदद से 'जनसंघ' की स्थापना की। 21 अक्टूबर को नई दिल्ली में जनसंघ की औपचारिक शुरुआत हुई और डॉ. मुकर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने।

डॉ. मुकर्जी ने 'दो विधान, दो निशान और दो प्रधान' के खिलाफ प्रजा परिषद् के सत्याग्रह का समर्थन किया। उन्होंने इस मुद्दे को देश की जनता तक पहुंचाया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में प्रजा परिषद् के आंदोलन के लिए समर्थन जुटाने के लिए देश भर में सार्वजनिक बैठकें आयोजित कीं। डॉ. मुकर्जी आंदोलन को अहिंसक रखना चाहते थे। जम्मू-कश्मीर की स्थिति का आकलन करने के लिए डॉ. मुकर्जी ने श्री उमा शंकर त्रिवेदी और श्री जीवी देशपांडेय को जम्मू भेजने का निर्णय लिया, लेकिन दोनों को जम्मू-कश्मीर में प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई। इसके बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने स्वयं बिना किसी मंजूरी या अनुमति के कश्मीर जाने का फैसला किया।

डॉ. मुकर्जी ने 8 मई, 1953 को नई दिल्ली से जम्मू-कश्मीर के लिए अपनी यात्रा आरंभ की। 11 मई को वे पठानकोट पहुंचे। पठानकोट में उनका भव्य स्वागत हुआ। डॉ. मुकर्जी शाम चार बजे माधोपुर चेक पोस्ट पहुंचे।

डॉ. मुकर्जी को ले जा रही जीप जैसे ही माधोपुर पुल के बीच पहुंची, उन्हें जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रोक लिया। डॉ. मुकर्जी को उनके दो सहयोगियों गुरुदत्त वैद्य और टेकचंद के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें बताया गया कि उन्हें जम्मू-कश्मीर के सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया जा रहा है। श्री अटल बिहारी वाजपेयी जो उनके साथ यात्रा कर रहे थे, को डॉ. मुकर्जी ने वापस जाने और देश के लोगों को यह बताने के लिए कहा कि डॉ. मुकर्जी ने बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर राज्य में प्रवेश कर लिया है। डॉ. मुकर्जी को श्रीनगर ले जाया गया। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें दो अन्य लोगों के साथ 23 जून,1953 को निशात गार्डन के पास एक झोपड़ी में उनकी रहस्यमय मृत्यु तक यानी 42 दिनों तक हिरासत में रखा गया। तब से उनकी पुण्य तिथि को 'बलिदान दिवस' के रूप में याद किया जाता है।

डॉ. मुकर्जी के अधूरे कार्य को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को समाप्त करके पूरा किया। ■

आपातकाल भारत के इतिहास का काला दौर: नरेन्द्र मोदी

देश जब आजादी के 75 वर्ष से सौवें वर्ष की तरफ बढ़ रहा है तो आजादी को खतरे में डालने वाले आपातकाल के अपराधों का अवलोकन जरूरी है। इससे आज की युवा पीढ़ी को लोकतंत्र के मायने तथा उसकी अहमियत समझने में और ज्यादा आसानी होगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जून को कहा कि आपातकाल भारत के इतिहास का वह 'काला दौर' था, जब लोकतंत्र के समर्थकों पर अत्याचार किया गया और उन्हें यातनाएं दी गईं। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 102वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारत 'लोकतंत्र की जननी' है जो लोकतांत्रिक आदर्शों और संविधान को सर्वोपरि मानता है, लिहाजा 25 जून की तारीख को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

गौरतलब है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा भारत में 1975 में आपातकाल लगाया गया था। इसे भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का काला धब्बा माना जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। हम, अपने लोकतांत्रिक आदर्शों को सर्वोपरि मानते हैं, अपने संविधान को सर्वोपरि मानते हैं। इसलिए, हम 25 जून को भी कभी भुला नहीं सकते। यह वही दिन है जब हमारे देश पर आपातकाल थोपा गया था।

उन्होंने कहा कि यह भारत के इतिहास का काला दौर था। लाखों लोगों ने आपातकाल का पूरी ताकत से विरोध किया था। लोकतंत्र के समर्थकों पर उस दौरान इतना अत्याचार किया गया, इतनी यातनाएं दी गईं कि आज भी मन सिहर उठता है।

श्री मोदी ने कहा कि देश जब आजादी के 75 वर्ष से सौवें वर्ष की तरफ बढ़ रहा है तो आजादी को खतरे में डालने वाले आपातकाल के अपराधों का अवलोकन जरूरी है। उन्होंने कहा कि इससे आज की युवा पीढ़ी को लोकतंत्र के मायने तथा उसकी अहमियत समझने में और ज्यादा आसानी होगी।

भारत लोकतंत्र की जननी है। हम, अपने लोकतांत्रिक आदर्शों को सर्वोपरि मानते हैं, अपने संविधान को सर्वोपरि मानते हैं। इसलिए, हम 25 जून को भी कभी भुला नहीं सकते। यह वही दिन है जब हमारे देश पर आपातकाल थोपा गया था

अपने जीवन में योग को जरूर अपनाएं

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भी उल्लेख किया और देशवासियों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि योग को अपने जीवन में जरूर अपनाएं, इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। अगर अब भी आप योग से नहीं जुड़े हैं तो 21 जून इस संकल्प के लिए बहुत बेहतरीन मौका है। योग में तो वैसे भी ज्यादा तामझाम की जरूरत ही नहीं होती है। जब आप योग से जुड़ेंगे तो आपके जीवन में बड़ा परिवर्तन आएगा।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य इसके कई लाभों के बारे में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाना है। इसकी सार्वभौमिक अपील को स्वीकार करते हुए दिसंबर, 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा की थी।

चक्रवात बिपारजॉय से गुजरात के कच्छ जिले में हुई तबाही का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वहां के लोगों ने जिस मजबूती से उसका मुकाबला किया, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कच्छ के लोग जल्द ही इस तबाही से उबर जाएंगे। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण को प्राकृतिक आपदाओं से मुकाबला करने का एक बड़ा तरीका बताया।

उन्होंने कहा कि चक्रवात बिपारजॉय ने कच्छ में कितना कुछ तहस-नहस कर दिया, लेकिन कच्छ के लोगों ने जिस हिम्मत और तैयारी के साथ इतने खतरनाक चक्रवात का मुकाबला किया, वह भी उतना ही अभूतपूर्व है। आत्मविश्वास से भरे कच्छ के लोग चक्रवात बिपारजॉय से हुई तबाही से जल्द उबर जाएंगे।

श्री मोदी ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का जोर नहीं होता, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आपदा प्रबंधन की जो ताकत विकसित की है, वह आज एक उदाहरण बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बड़े से बड़ा लक्ष्य हो, कठिन से कठिन चुनौती हो, भारत के लोगों का सामूहिक बल हर चुनौती का हल निकाल देता है।

उन्होंने कहा कि आजकल मानसून के समय में इस दिशा में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। इसीलिए आज देश 'कैच द रेन' जैसे अभियानों के जरिये सामूहिक प्रयास कर रहा है। ■

‘संपर्क से समर्थन’ अभियान

जोरहाट (असम) में 18 जून, 2023 को ‘संपर्क से समर्थन’ अभियान के तहत डॉ. पंकज बरुआ, सुश्री सांता शर्मा, श्री रक्तिम सैकिया और श्री ओम प्रकाश गट्टानी से मुलाकात करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नामसाई (अरुणाचल प्रदेश) में 17 जून, 2023 को प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ बैठक करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

चंडीगढ़ में 15 जून, 2023 को एक टिफिन बैठक के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

गिरिडीह (झारखंड) में 22 जून, 2023 को अंतरराष्ट्रीय सरोद वादक श्री मोरमुकुट केडिया और पंडित मनोज केडिया से उनके आवास पर मुलाकात करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भिलाई (छत्तीसगढ़) में 22 जून, 2023 को पंडवानी गायिका पदमश्री उषा बारले से उनके आवास पर मुलाकात करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

गीता प्रेस, गोरखपुर को वर्ष 2021 का गांधी शांति पुरस्कार प्रदान किया जाएगा

वर्ष 2021 का गांधी शांति पुरस्कार गीता प्रेस, गोरखपुर को प्रदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में निर्णायक मंडल ने 18 जून, 2023 को विचार-विमर्श के पश्चात सर्वसम्मति से वर्ष 2021 के गांधी शांति पुरस्कार के लिए गीता प्रेस, गोरखपुर का चयन किया है। यह पुरस्कार गीता प्रेस, गोरखपुर को अहिंसक और अन्य गांधीवादी आदर्शों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में परिवर्तन लाने में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जा रहा है।

गांधी शांति पुरस्कार भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वार्षिक पुरस्कार है। वर्ष 1995 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के अवसर पर उनके आदर्शों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप इस पुरस्कार की स्थापना की गई थी।

पुरस्कार में एक करोड़ रुपए की राशि, एक प्रशस्ति पत्र, एक पट्टिका और एक उत्कृष्ट पारंपरिक हस्तकला/हथकरघा विशिष्ट कृति प्रदान की जाती है।

वर्ष 1923 में स्थापित गीता प्रेस विश्व में सबसे बड़े प्रकाशकों में से एक है। इसने 14 भाषाओं में 41.7 करोड़ पुस्तकों का प्रकाशन किया है, जिनमें 16.21 करोड़ श्रीमद भगवद गीता पुस्तकें शामिल हैं। इस संस्था ने राजस्व सृजन के लिए कभी भी अपने प्रकाशनों के लिए विज्ञापन नहीं लिए। ■

प्रधानमंत्री ने गीता प्रेस, गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार 2021 से सम्मानित किए जाने पर दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गीता प्रेस, गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार 2021 से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि मैं गीता प्रेस, गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार 2021 से सम्मानित किए जाने पर बधाई देता हूं। लोगों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने की दिशा में उन्होंने पिछले 100 वर्षों में सराहनीय कार्य किये हैं।

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)................................ (2)................................

ईमेल : ....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :.................................. दिनांक :............................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

व्हॉइट हाउस (वाशिंगटन डीसी) में 22 जून, 2023 को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वाशिंगटन डीसी में 22 जून, 2023 को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

व्हॉइट हाउस (वाशिंगटन डीसी) में 23 जून, 2023 को विदेश विभाग के कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय (न्यूयॉर्क) में 21 जून, 2023 को 9वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह के दौरान योग करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वाशिंगटन डीसी में 21 जून, 2023 को भारतीय समुदाय का स्वागत स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh @KamalSandesh

kamal.sandesh KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**

36 पृष्ठ कवर सहित

प्रकाशन तिथि: 29 जून, 2023

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23

Licence to Post without Prepayment

Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह